twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शनिवार, 31 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 201, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

दुश्मन कहीं भी हो, खत्म कर देंगे: प्रधानमंत्री मोदी

पीएम ने कानपुर में 15 मेगा विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

कानपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कानपुर में 47,573 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 15 मेगा विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अब भारत मेक इन इंडिया के तहत आत्मनिर्भर बन रहा है और हाल ही आपरेशन सिंदूर में भारत की ब्रम्होस मिसाइल ने दुश्मन देश के जिस प्रकार छक्के छुड़ाया है, उसको पूरी दुनिया ने देखा है। भारत अब विकास के साथ ही आतंकवाद का डटकर मुकाबला करने में सक्षम है। आपरेशन सिंदूर स्थगित किया गया है, लेकिन अभी खत्म नहीं हुआ है। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। बिहार में रोड शो के बाद प्रधानमंत्री कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर पहुंचे, जहां पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद प्रधानमंत्री से हेलीकॉप्टर चन्द्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हेलीपैड पर पहुंचे। यहां से वह सीधे जनसभा स्थल पर पहुंचे और लगभग 47.5 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत में ही पहलगाम आतंकी हमले में मारे गये शुभम द्विवेदी का नाम लिया और कहा कि हमारा यह दौरा 24 अप्रैल को होना था, लेकिन आतंकी घटना में कानपुर के शुभम के मारे जाने पर दौरा टाल दिया गया था। शुभम की पत्नी बहन ऐशन्या का दर्द और आक्रोश को पूरा देश महसूस कर रहा है।

इसी आक्रोश को लेकर भारत की सेना ने आपरेशन सिंदूर चलाकर दुश्मन देश के घर में घुसकर आतंकियों के ठिकानों को ध्वस्त करने का काम किया।

ब्रम्होस मिसाइल का नया पता है उत्तर प्रदेश: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि भविष्य में कानपुर यूपी डिफेन्स का बड़ा एक्सपोर्टर बनाने में सबसे आगे रहेगा और ब्रम्होस मिसाइल का नया पता है उत्तर प्रदेश होगा। यहां कई फैक्टरी लगेंगी, बड़े पैमाने पर निवेश आएगा, यहां के हजारों युवाओं को रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे। मोदी ने कहा कि यूपी और कानपुर को नई ऊचाई पर ले जाना है। यह डबल इंजन की सरकार की पहली प्राथमिकता है, यह तभी होगा, जब यहां पर उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और कानपुर का पुराना गौरव फिर से लौटेगा। पिछली सरकारों ने आधुनिक उद्योगों की जरूरतों को नजरअंदाज करके रखा था।

आज कानपुर में उद्योगों का पलायन रूका: पीएम मोदी

कानपुर से उद्योगों का पलायन होता गया, परिवारवादी सरकारें आंख बंद करके बैठी रहीं, नतीजा यह हुआ केवल कानपुर ही नहीं पूरा यूपी पीछे हो गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य की औद्योगिक प्रगति के लिए दो सबसे जरूरी शर्ते हैं। पहली ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता यानी बिजली सप्लाई और दूसरी इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी। आज यहां 660 मेगावाट पनकी पावर प्लांट, 660 मेगावाट का नेवली पावर प्लांट, 1320 मेगवाट का जवाहरपुर पावर प्लांट, 660 मेगावाट

ओबरासी पावर प्लांट 660 मेगावाट खुर्जा पावर प्लांट का लोकार्पण हुआ है। यह यूपी की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुत बड़ा कदम है। इन पावर प्लांट से यूपी में बिजली की उपलब्धता और बढ़ेगी।

और यहां के उद्योगों को भी गति मिलेगी। आज 47 हजार करोड़ के अधिक की लागत की कई और विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया गया है।

मेट्रो सिटी की तरह दिखेगा कानपुर में विकास

प्रधानमंत्री ने कहा कि जो इंफ्रास्ट्रक्चर व सुविधाएं बड़ी–बड़ी मेट्रो सिटी में होती हैं, वह सब कुछ अब कानपुर में भी दिखेगा। कुछ साल पहले हमारी सरकार ने कानपुर को पहली मेट्रो की सौगात दी थी।

अब वह सेंट्रल स्टेशन तक दूसरे चरण में पहुंच गई है। पहले एलीवेटेड और अब अंडरग्राउंड के जरिये मेट्रो आगे बढ़ रही है।

शुभम की पत्नी को देख भावुक हुए प्रधानमंत्री मोदी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पहली बार कानपुर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुभम द्विवेदी के घर वालों से मुलाकात की. पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों को देख पीएम मोदी भावुक हो गए. पीएम मोदी से मुलाकात करने एयरपोर्ट पर शुभम के पिता संजय द्विवेदी, मां सीमा द्विवेदी और पत्नी ऐशान्या भी पहुंचे।

शुभम के घर वालों से मिले पीएम मोदी

शुभम के पिता संजय द्विवेदी और पत्नी ऐशान्या ने बताया कि पीएम मोदी हमारे परिवार से मिलकर भावुक हुए हो गए। पत्नी ऐशान्या ने बताया कि मेरे पिता संजय द्विवेदी पीएम मोदी जब परिवार का परिचय कराने लगे तो प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं जानता हूं सबको. इस दौरान पीएम मोदी ने शुभम की पत्नी ऐशान्या से पहलगाम में हुई घटना की जानकारी भी ली। पत्नी से परिवार के बारे में भी पूछा। शुभम की पत्नी ऐशान्या ने बताया कि पीएम मोदी ने कहा कि अभी पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

पिता संजय द्विवेदी ने पीएम मोदी का आभार जताया

वहीं, शुभम के पिता संजय द्विवेदी ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई पर हमने प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया है।

शुभम की मौत पर प्रधानमंत्री ने संवेदना जताई है. संजय द्विवेदी ने कहा कि मेरा पुत्र आतंकवादी हमले में मारा गया था, जिसके बाद पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई की है। इस पर हमने उनका आभार व्यक्त किया।

भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी

नई दिल्ली

देश की आर्थिक वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में धीमी होकर 7.4 फीसदी रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 8.4 फीसदी थी। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.5 फीसदी रही, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि चार वर्ष के निचले स्तर पर पहुंच गई है। इससे पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च अवधि में आर्थिक वृद्धि दर 8.4 फीसदी रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में अर्थव्यवस्था में 6.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी ग्रोथ 9.2 फीसदी हुई थी। एनएसओ ने राष्ट्रीय खातों के अपने दूसरे अग्रिम अनुमान में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। उल्लेखनीय है कि चीन ने 2025 के पहले तीन महीनों में 5.4 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर दर्ज की है।

खाद्य पदार्थों के प्रचार में '100 प्रतिशत' के दावे का उपयोग न करें एफबीओ

नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य पदार्थों की लेबलिंग में "100 प्रतिशत" शब्द के उपयोग के खिलाफ सख्त निर्देश जारी किया है। निर्देश के मुताबिक "100 प्रतिशत" शब्द के उपयोग को उपभोक्ताओं के लिए गुमराह करने वाला बताया है। शीर्ष खाद्य नियामक ने सभी खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) से मौजूदा नियामक प्रावधानों के तहत इसकी अस्पष्टता और गलत व्याख्या की आशंका के कारण खाद्य लेबल, पैकेजिंग और प्रचार सामग्री पर इस शब्द का उपयोग करने से परहेज करने को कहा है। गुरुवार को जारी सलाह में, एफएसएसएआई ने खाद्य उत्पाद लेबल और प्रचार प्लेटफार्मों पर "100 प्रतिशत" शब्द के उपयोग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी पर प्रकाश डाला। प्राधिकरण ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की शब्दावली न केवल वर्तमान नियमों के तहत अपरिभाषित है, बल्कि भ्रामक भी है और उपभोक्ताओं के बीच एक गलत धारणा पैदा करने की आशंका है।

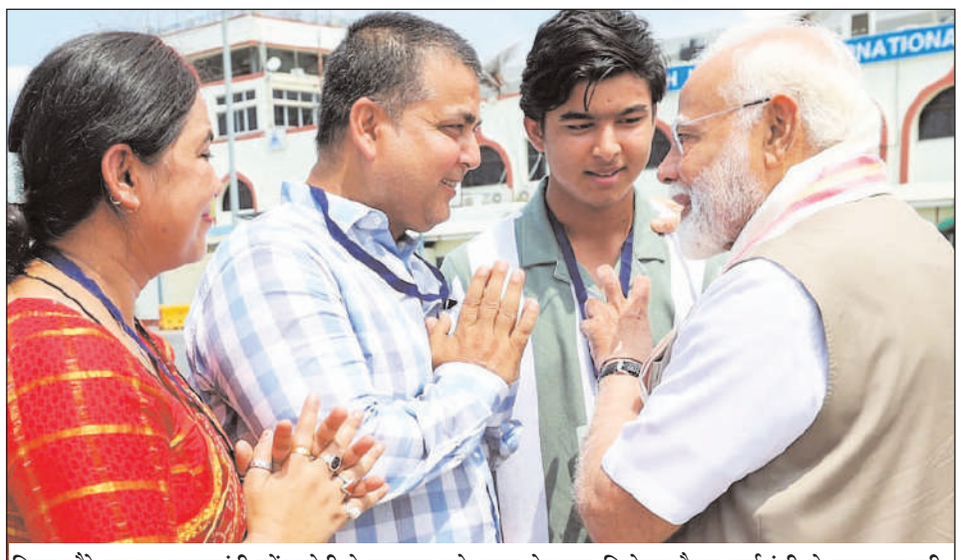

बिहार दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत के स्टार क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से मुलाकात की। दोनों की यह मुलाकात पटना के जय प्रकाश नारायण एयरपोर्ट पर हुई। वैभव के साथ के माता पिता भी मौजूद रहे।

पुंछ पीड़ितों से मिले अमित शाह, सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र प्रदान किए

जम्मू

गृह मंत्री अमित शाह ने पुंछ नगर स्थित डाक बंगला में पाकिस्तानी गोलाबारी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों और घायलों से मिले। इस दौरान उन्होंने मृतकों के परिजनों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र प्रदान किए। अमित शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर का विकास रुकेगा नहीं थमेगा नहीं। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर सरकार ने नॉर्म्स के हिसाब से सहायता कर दी है और भारत सरकार भी व्यापारिक संस्थानों में हुई क्षति के लिए एक पैकेज लेकर

आएगी। उन्होंने जम्मू कश्मीर के प्रशासन और सुरक्षा बलों की सराहना की और कहा कि वे हर चीज का जवाब देने के लिए सक्षम हैं। अमित शाह ने कहा कि तीन दिन की आफत में प्रशासन जनता के साथ खड़ा हुआ था और एक प्रशासनिक अधिकारी को भी अपना बलिदान देना पड़ा। इससे पहले कल गृहमंत्री ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा, आतंकवाद के सफाए, घुसपैठ पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए राजभवन जम्मू में उच्च स्तरीय बैठक की थी। गृहमंत्री ने कहा है कि सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति है। भारत अपने लोगों की सुरक्षा और संप्रभुता को बचाने के लिए दुश्मन को घर में घुसकर मारने में विश्वास रखता है। गृहमंत्री बृहस्पतिवार को शाम साढ़े सात बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू पहुंचे। रात करीब साढ़े आठ बजे गृहमंत्री की अध्यक्षता में राजभवन जम्मू उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक शुरू हुई।

अंकिता हत्याकांड: तीनों आरोपियों को सुनाई उम्रकैद की सजा

कोटद्वार

बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में कोटद्वार स्थित अपर जिला एवं सत्र न्यायालय (एडीजे कोर्ट) ने फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने तीनों आरोपियों रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य, उसके कर्मचारी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को हत्या के मामले में दोषी करार दिया है। इन पर 302, 201, 354, धाराओं में दोष सिद्ध हुआ है। वहीं, कोर्ट ने तीनों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 50-50 हजार रुपये का अर्थ दंड और अंकिता के परिजनों को चार लाख रुपये देने का फैसला भी कोर्ट ने सुनाया। उधर, न्यायालय का फैसला आने से ऐन पहले भीड़ ने पुलिस प्रशासन द्वारा की गई बैरिकेडिंग को तोड़कर न्यायालय की ओर बढ़ने की भीड़ की कोशिश की। पुलिस पूरी ताकत से लोगों को अंदर जाने से रोकने का प्रयास कर रही है। अदालत के फैसले पर पूरे उत्तराखंड और देश के लोगों की निगाहें टिकी थीं। कोटद्वार में इसके लिए पुलिस प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए है। गढ़वाल मंडल के विभिन्न जनपदों से पुलिस फोर्स कोटद्वार बुलाई गई है। अदालत परिसर के बाहर की सड़कों पर बैरिकेडिंग लगाई गई है। बीती 19 मई को अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता विशेष लोक अभियोजक अवनीश नेगी की ओर से बचाव पक्ष की बहस का जवाब देकर सुनवाई का सिलसिला समाप्त किया गया था। अदालत ने दोनों पक्षों की बहस व दलीलें सुनने के बाद फैसला सुनाने के लिए 30 मई की तिथि निर्धारित की थी। कोटद्वार स्थित एडीजे कोर्ट में 30 जनवरी, 2023 को मामले की पहली सुनवाई शुरू हुई थी एसआईटी जांच के बाद अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में 500 पेज का आरोपपत्र दाखिल किया गया। तीनों हत्यारोपियों वनंत्रा रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य, उसके कर्मचारी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता पर आरोप तय होने के बाद 28 मार्च, 2023 से अभियोजन पक्ष की गवाही शुरू हुई।

भारत का रक्षा दमखम: 2047 तक बजट 5 गुना तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली

आने वाले सालों में भारत के रक्षा बजट में जबरदस्त बढ़ोतरी की बात सामने आ रही है। जहां ऐसी संभावना जताई जा रही है कि भारत का रक्षा बजट 2047 तक बढ़कर 31.7 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच सकता है जो वर्ष 2024-25 में आवंटित 6.8 लाख करोड़ रुपये की तुलना में अगले दो दशकों में करीब पांच गुना उछाल को दर्शाता है। यह अनुमान भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और केपीएमजी की

संयुक्त अध्ययन रिपोर्ट में लगाया गया है। रिपोर्ट में नवीनतम अनुमानों के आधार पर भारत के रक्षा उत्पादन में भी जोरदार वृद्धि होने की संभावना जताई गई है। 2024-25 में 1.6 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 2047 तक इसके 8.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। देश अपने रक्षा निर्यात का विस्तार करने का भी लक्ष्य बना रहा है, जो वर्तमान में 30,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2047 तक 2.8 लाख करोड़ रुपये होने की संभावना है। इसके सात ही रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि आगामी रक्षा रणनीति मुख्यतः कुल बजट में पूंजीगत व्यय का हिस्सा बढ़ाने पर केंद्रित होगी। यह हिस्सा 2024-25 में 27 प्रतिशत से बढ़कर 2047 तक 40 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जो बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और हथियार प्रणालियों में अधिक निवेश का संकेत देता है।

तेजस राजधानी एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश नाकाम

प्रयागराज

उत्तर मध्य रेलवे के भीरपुर और मेजा रेलवे स्टेशन के बीच तेजस राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन को पलटाने की साजिश नाकाम हो गई। ट्रेन आने के पहले रेलवे ट्रैक पर बड़े-बड़े बोल्डर रख दिए गए। घटना को रात में अंजाम दिया गया। लोको पायलट की सतर्कता से हादसा टल गया। सूचना पाकर छिवकी से पहुंची आरपीएफ पुलिस ने छानबीन की। इसके चलते 10 मिनट तक ट्रेन को रोकना पड़ा। इस मामले में अज्ञात अराजकतत्वों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। तेजस राजधानी एक्सप्रेस के रेलवे ट्रैक पर अराजक तत्व ने देर रात बोल्डर रख दिया। इसकी जानकारी होने पर लोको पायलट ने भीरपुर और मेजा रोड रेलवे स्टेशन के बीच ट्रेन रोक दी और इसकी सूचना अधिकारियों को दी। जानकारी मिलते ही महकमे में खलबली मच गई। आरपीएफ के साथ तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

पहरावर धाम के बहाने सहकारिता मंत्री ने साधे एक तीर से कई निशाने

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी समारोह संयोजक डॉ अरविंद शर्मा की सराहना की

चंडीगढ़

देश, प्रदेश व समाज में अपनी शैक्षणिक क्षेत्र में अहम भूमिका निभाने वाली 120 साल पुरानी गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा, रोहतक के तीसरे कैम्पस में 36 बिरादरी की एकजुटता, रिकार्डतोड़ भीड़, 50 साल बाद संस्था के नए कैम्पस में 5 शैक्षणिक व विकास परियोजनाओं के शिलान्यास मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से करवाते हुए न केवल उन्हें ऐतिहासिक पलों का गवाह बनाया, अपितु बहुचर्चित

पहरावर को अब पहरावर धाम के तौर पर विकसित करने की घोषणा करते हुए समालोचकों के मुंह पर ताले लगाने का काम किया। हरियाणा में भाजपा सरकार के गठन के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा सन्त-महापुरुष सम्मान व विचार प्रसार योजना के तहत सन्त-महापुरुषों की जयन्तियों को सरकारी स्तर पर मनाने का निर्णय लिया गया था। इस परंपरा में शुक्रवार को रोहतक के पहरावर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव का राज्य स्तरीय समारोह राजनीतिक, सामाजिक व शैक्षणिक तौर पर विशिष्ट रहा। राज्य स्तरीय समारोह की तैयारियों के दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली द्वारा कार्यक्रम की सफलता के लिए सर्व समाज की तरफ से सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा को संयोजक नियुक्त किया गया था। इस जिम्मेदारी के तुरंत बाद ही सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने भगवान परशुराम जन्मोत्सव के प्रदेश के विभिन्न जिलों में घूमकर न्यौते देने शुरू कर दिए थे। उन्होंने न केवल अलग-अलग जिलों में समाज, संगठन के लोगों के साथ बैठकें की, अपितु सोनीपत, करनाल, पानीपत, रोहतक, झज्जर, जींद में अपने पुराने सहयोगियों को भी सक्रिय किया। इन दौरों की बदौलत पहली बार सन्त-महापुरुष जयंती समारोह में भारी जनसमूह उमड़ा, जिसके चलते पंडाल छोड़ा रह गया। मुख्यातिथि के तौर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, अध्यक्ष के तौर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के साथ-साथ मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला, कैबिनेट मंत्री कृष्णलाल पंवार, महिपाल ढांडा, रणबीर गंगवा व गौरव गौतम, उत्तर प्रदेश में दर्जा प्राप्त मंत्री पंडित सुनील भराला, सांसद मनोज तिवारी, सतीश गौतम व रामचन्द्र जांगड़ा, विधायक मुकेश शर्मा, देवेन्द्र अत्रि, घनश्याम दास सर्राफ व पवन खरखौदा, पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रामबिलास शर्मा, पूर्व राज्यसभा सांसद जनरल डीपी वत्स की मौजूदगी रही।

भारतीय नौसेना फॉर्म में आती, तो पाकिस्तान के चार टुकड़े हो जाते : राजनाथ सिंह

अभी तो हमारी सेनाओं ने अपनी आस्तीनें पूरी मोड़ी भी नहीं थी, अभी तो हमने अपना पराक्रम दिखाना शुरू भी नहीं किया था।

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 1971 इसका गवाह है, कि जब भारतीय नौसेना हरकत में आई थी, तो पाकिस्तान एक से दो हो गया था। अगर ऑपरेशन सिंदूर में, भारतीय नौसेना अपने फॉर्म में आई होती, तो पाकिस्तान के दो टुकड़े ही न होते बल्कि मैं समझता हूँ शायद चार टुकड़े हो जाते। रक्षा मंत्री ने गोवा के तट से कुछ ही दूरी पर आईएनएस विक्रांत पर यह बात कही। इसके साथ ही उन्होंने कहा, ÷मैं यह बात फिर से, बेहद दृढ़ता से कहना चाहता हूँ, कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। यह सिर्फ एक विराम है, एक चेतावनी। अगर पाकिस्तान ने फिर वही गलती की, तो भारत का उत्तर और भी कठोर होगा, और इस बार, उसे संभलने का मौका नहीं मिलेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक मिलिट्री एक्शन नहीं है बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का फ्रंटल असॉल्ट है। हम आतंकवाद के खिलाफ हर उस तरीके का इस्तेमाल करेंगे, जो

पाकिस्तान सोच सकता है, मगर हम उन तरीकों का इस्तेमाल करने में भी संकोच नहीं करेंगे, जो पाकिस्तान सोच भी नहीं सकता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी फोर्स की फॉरवर्ड तैनाती के साथ-साथ विक्रांत कैरियर बैटल ग्रुप की फोर्स प्रोजेक्शन ने भी हमारे इरादे और क्षमता का प्रभावी संकेत दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि आपकी इस मजबूत तैयारी ने दुश्मन के हौसले को पहले ही पस्त कर दिया। पाकिस्तान के लिए आपकी तैयारी मात्र ही बहुत थी। आपको तो एक्शन की जरूरत ही नहीं पड़ी, आपकी तैयारी से ही दुश्मन सकते में आ गया। पाकिस्तान ने भारतीय नौसेना की प्रचंड शक्ति, उसकी सैन्य सूझबूझ और विध्वंसक क्षमताओं को न सिर्फ महसूस किया, बल्कि वह उससे भयभीत भी हुआ। रक्षा मंत्री ने कहा कि हाफिज सईद 'मुंबई हमलों' का गुनहगार है। समुंदर के रास्ते मुंबई में मौत बरसाने का जो गुनाह उसके संगठन ने किया है, उसका इंसाफ होना चाहिए। यह काम पाकिस्तान में नहीं हो सकता है। मुंबई हमलों के एक आरोपी तहव्वुर राणा को पिछले दिनों भारत लाया गया है। पाकिस्तान की ओर से बार-बार बातचीत की पेशकश की जा रही है। कल ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने फिर यह बात दोहराई है, मगर भारत ने साफ कह रखा है कि बात होगी, तो आतंकवाद पर होगी, पीओके पर होगी। अगर पाकिस्तान बातचीत को लेकर गंभीर है, तो उसे हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकवादियों को भारत के सुपुर्द करना चाहिए ताकि इंसाफ किया जा सके। गौरतलब है कि आईएनएस विक्रांत भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत है। इस भारतीय एयरक्राफ्ट कैरियर में फाइटर जेट और हेलीकॉप्टर दोनों ही हैं।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने परिवार संग बाबा केदारनाथ के किए दर्शन

एजेंसी

देहरादून। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार सुबह परिवार संग बाबा केदारनाथ का दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने देश की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की और बाबा केदार से आशीर्वाद लिया। सुबह झारखंड के मुख्यमंत्री सोरेन का हेलीकॉप्टर सुबह ठीक 08 बजकर 05

मिनट पर केदारनाथ हेलीपैड पर उतरा। मुख्यमंत्री अपने पूरे परिवार के साथ बाबा केदारनाथ के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए मंदिर परिसर पहुंचे। मंदिर में पहुंचकर उन्होंने परिवार संग विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न की। केदारनाथ पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर और आस-पास की घाटी में फैले हिमालयी सौंदर्य का भरपूर आनंद लिया। हिमाच्छादित पर्वतों से घिरे इस तीर्थस्थल की दिव्यता और भव्यता ने मुख्यमंत्री और उनके परिवार को अभिभूत कर दिया।

भाजपा का कांग्रेस पर हमला- ऑपरेशन सिंदूर से 'सबूत गैंग' खुश नहीं

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विवादित टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जयराम रमेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी घिरते नजर आ रहे हैं। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि पहले दिन से राहुल गांधी, जयराम रमेश और उनके लोगों ने भारतीय सेना, भारत के शौर्य पर सवाल उठाया, ये 'सबूत गैंग' खुश नहीं है। संबित पात्रा नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि जयराम रमेश ने अपने बयान में कहा कि यहां आतंकवादी घूम रहे हैं, वहां सांसद घूम रहे हैं। एक ही सांस में आपने सांसदों और आतंकवादियों को समान कर दिया? सांसद घूमने नहीं गए हैं, वे भारत के पक्ष को विश्व के सामने रखने गए हैं, उसमें आपके भी सांसद हैं। अमेरिका के एक बड़े मिलिट्री एक्सपर्ट जॉन स्पेंसर के एक आलेख का हवाला देते हुए संबित पात्रा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने

न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से हराया, बल्कि एक बड़ी तकनीकी जीत भी हासिल की, क्योंकि पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर चीन के प्रॉक्सी के रूप में काम किया, जो चीनी प्रणालियों पर बहुत अधिक निर्भर था। भारत के बारे में वैश्विक धारणा तेजी से सकारात्मक हुई है।उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल, विशेष रूप से कांग्रेस, भारतीय सशस्त्र बलों पर लगातार सवाल उठाकर राष्ट्रीय एकता का विरोध करना जारी रखते हैं। कांग्रेस ने आरंभ में कहा कि हम देश के साथ खड़े हैं मगर एक दिन भी ये भारत के साथ नहीं खड़े थे। चाहे राहुल गांधी हों, जयराम रमेश हों या रेवंत रेड्डी, उन्होंने जिस तरह के बयान दिए हैं, उससे भारतीय सेना का मनोबल गिराने की कोशिश की गई है।

जौनपुर में अनियंत्रित बस पलटने से पांच की मौत, मुख्यमंत्री ने जताया दुख

जौनपुर। जिले में बक्सा थाना क्षेत्र के लखउवा हाईवे के पास एक प्राइवेट बस बेकाबू होकर पलटने से पांच यात्रियों की मौत हो गई। इस हादसे में छह से अधिक लोग घायल हुए हैं। घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है। घटना की जानकारी पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ितों का हालचाल लिया। जिलाधिकारी डॉ दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि यात्रियों से पूछताछ में पता चला है कि बदलापुर से जौनपुर शहर की ओर आ रही एक प्राइवेट बस बक्सा थाना क्षेत्र के लखउवा हाईवे के पास मोड़ होने की वजह से अनियंत्रित होकर पलट

गई। हादसे में पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद बस में फंसे घायलों को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।उन्होंने बताया कि दुर्घटना में मरने वालों की पहचान बक्सा की रहने वाले विजय शर्मा की पत्नी संध्या शर्मा (60), झारखंड की रहने वाली नेमा देवी (60), बस कंडक्टर काली चरण (36), सुशीला यादव के रूप में हुई है। इसके अलावा एक मृतक की अभीपहचान नहीं हो सकी है। इस दुर्घटना में छह से अधिक यात्री घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह लापरवाही और तेज रफ्तार हो सकती है। पुलिस बस चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस घटना का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लेते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी शोक संवेदना व्यक्त की हैं। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को समुचित इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं।

बिहार में बोले प्रधानमंत्री मोदी-

'आतंकवाद हो या नक्सलवाद, अब माफी नहीं सीधा जवाब मिलेगा'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के काराकाट में आयोजित जनसभा में देश की सुरक्षा, बिहार के विकास और पिछली सरकार की नीतियों पर खुल कर हमला बोला। आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ सरकार की निर्णायक रणनीति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई न रुकी है, न थमी है। आतंक का फन अगर फिर उठेगा, तो भारत उसे बिल से खींच कर कुचल देगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार के लोग इस बदलाव के गवाह हैं कि कैसे नक्सल प्रभावित इलाकों में शांति लौट रही है। कभी जिन गांवों में स्कूल जलाए जाते थे, सड़क बनाने वालों को मारा जाता था, आज वहां सड़क भी है, अस्पताल भी है और मोबाइल टावर भी खड़े हैं। उन्होंने विकसित भारत

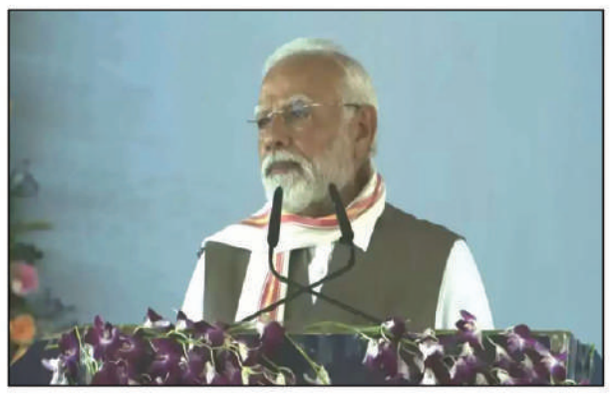

के लिए विकसित बिहार को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि 2014 में जब एनडीए सरकार केंद्र की सत्ता में आई थी, तब भारत में 125 नक्सल प्रभावित जिले थे, अब इनकी संख्या घटकर केवल 18 रह गई है। प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जिन्होंने दशकों तक बिहार के दलितों, पिछड़ों और गरीबों को शौचालय, बैंक खाता और छत जैसी बुनियादी जरूरतों से वंचित रखा, वे आज सामाजिक न्याय की बातें कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दलों ने सिर्फ वोटबैंक की राजनीति की, जबकि एनडीए सरकार ने सभी जरूरतमंदों तक सुविधाएं पहुंचाई। उन्होंने कहा कि पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का लोकार्पण किया जा चुका है, जो अब सालाना एक करोड़ यात्रियों को संभाल सकेगा। बिहटा एयरपोर्ट पर भी 1,400 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। बिहार के मखाना किसानों के लिए मखाना बोर्ड की स्थापना और जीआई टैग की सुविधा को भी सरकार की बड़ी उपलब्धियों में गिनाया।

भारत का एआई इकोसिस्टम वैश्विक सफलता के शिखर पर है : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इकोसिस्टम अब वैश्विक सफलता के शिखर पर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार के अवसर से स्टार्टअप्स को मदद मिलेगी। स्टार्टअप्स को इमेज एडिटिंग, डीप-टेक, अर्थ ऑब्जर्वेशन से लेकर कन्वर्सेशनल एआई तक अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने, वैश्विक गठबंधन बनाने और स्केलेबल प्रभावशाली समाधान बनाने में मदद मिलेगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत, इंडियाएआई मिशन ने 'इंडियाएआई स्टार्टअप्स ग्लोबल इनिशिएटिव' के लिए 10 स्टार्टअप को चुने जाने की घोषणा की है। भारत की एआई क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। 'इंडियाएआई स्टार्टअप्स ग्लोबल इनिशिएटिव' स्टेशन एफ, पेरिस और एचईसी पेरिस के साथ साझेदारी में एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, फरवरी 2024 में एआई एक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा ने न केवल उच्च-स्तरीय राजनीतिक प्रतिबद्धता का संकेत दिया, बल्कि वैश्विक एआई मानदंडों

और इनोवेशन डिप्लोमेसी को आकार देने के लिए भारत की मंशा को भी प्रदर्शित किया। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, भारत का एआई इकोसिस्टम अब वैश्विक सफलता के शिखर पर है। इस तरह की पहलों के माध्यम से, हम अपने सबसे बेहतरीन स्टार्टअप को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने, वैश्विक गठबंधन बनाने और स्केलेबल, प्रभावशाली समाधान बनाने में सक्षम बना रहे हैं।

अंकिता भंडारी हत्याकांड : सभी आरोपियों को सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा

लोगों ने सड़क पर उतरकर इस हत्याकांड में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी।

एजेंसी

उत्तराखंड । उत्तराखंड के अंकिता भंडारी हत्याकांड प्रकरण में संलिप्त तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। सजा का ऐलान कोटद्वार स्थित अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने दिया है। इस हत्याकांड में संलिप्त पुलकित आर्य, उसके कर्मचारी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को 302, 201, 354 के तहत दोषी करार दिया गया है। कोर्ट ने हत्याकांड में शामिल मुख्य आरोपी पुलकित आर्य पर 302, 201, 354ए और अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत आरोप तय किए। वहीं, सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को आईपीसी की धारा 302, 201 और अनैतिक देह व्यापार अधिनियम

के तहत दोषी करार दिया गया। दो साल आठ महीने तक इस पूरे मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट में कुल 47 गवाह पेश किए गए। 19 मई को ही इस पूरे मामले की सुनवाई पूरी हुई थी, जिसके बाद कोर्ट ने सजा सुनाने के लिए 30 मई की तारीख निर्धारित की थी। घर की आर्थिक हालत ठीक नहीं होने की वजह से अंकिता भंडारी ने रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करना शुरू कर दिया था। लेकिन, उन्हें नौकरी ज्वाइन किए 20 दिन भी पूरे नहीं हुए थे कि वह गायब हो गईं। इसके बाद अंकिता के पिता ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कराने के लिए पौड़ी, मुनिकीरेती और ऋषिकेश के चक्कर काटे। लेकिन, किसी ने भी उनकी नहीं सुनी। इसके बाद जब इस मामले में दबाव बढ़ा, तो इसे पुलिस को सौंप दिया गया। इसके बाद पुलिस ने पुलकित आर्य और उसके दो अन्य साथी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को गिरफ्तार किया। इसके बाद 24 सितंबर 2022 को चीला नदी से अंकिता भंडारी का शव बरामद हुआ था। इस हत्याकांड ने उत्तराखंड के लोगों को उद्वेलित कर दिया था।

नकली खाद घोटाले पर किरोड़ी मीणा का शिकंजा

दूसरे दिन भी फैक्ट्रियों पर छापेमारी, कर्मचारी ताला लगाकर भागे, 5 यूनिट सीज

एजेंसी

अजमेर/किशनगढ़ । राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने किशनगढ़ इलाके में फैले नकली उर्वरक के गोरखधंधे पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। लगातार दूसरे दिन उन्होंने डींडवाड़ा, बांदरसिंदरी और चौसला गांव की खाद फैक्ट्रियों पर औचक छापेमारी की। मंत्री की कार्रवाई से हड़कंप मच गया और एक फैक्ट्री में तो कर्मचारी ताला लगाकर मौके से भाग खड़े हुए। किरोड़ी मीणा शुक्रवार सुबह डींडवाड़ा की राधिका एग्रो फैक्ट्री पहुंचे और फिर बांदरसिंदरी में एक अन्य खाद यूनिट का निरीक्षण किया। यहां से वे चौसला गांव पहुंचे जहां एक फैक्ट्री के कर्मचारियों ने खाद को बाहर फेंका और फैक्ट्री में ताला लगाकर फरार हो गए। मंत्री ने तुरंत अधिकारियों को फैक्ट्री तुड़वाकर जांच के निर्देश दिए।अब तक की जांच में 5 फैक्ट्रियों को सीज कर

दिया गया है। कृषि विभाग ने किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र की 34 फैक्ट्रियों को जांच के लिए चिन्हित किया है। अधिकारियों की मानें तो इन फैक्ट्रियों में तैयार नकली डीएपी, यूरिया, जिंक सल्फेट, जिप्सम और पोटाश की आपूर्ति सिर्फ राजस्थान में नहीं, बल्कि हरियाणा, पंजाब, बिहार जैसे राज्यों में भी की जाती रही है। किरोड़ी मीणा ने गुरुवार को किशनगढ़ की 12 खाद फैक्ट्रियों में औचक निरीक्षण किया था, जिसके बाद प्रशासन ने रातभर में सबूतों को सुरक्षित कर लिया।

हर आतंकी हमले का जवाब कठोरता और तत्परता से देना पीएम मोदी की नीति : अमित शाह

अमित शाह ने अपने जम्मू-कश्मीर दौरे पर सीमा पार से गोलीबारी में प्रभावित लोगों से मुलाकात की और पीड़ित परिवार को नियुक्ति पत्र भी सौंपा।

एजेंसी

पुंछ । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने पुंछ दौरे के क्रम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति है कि हर आतंकी हमले का जवाब कठोरता और तत्परता से दिया जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने जम्मू-कश्मीर दौरे पर सीमा पार से गोलीबारी में प्रभावित लोगों से मुलाकात की और पीड़ित परिवार को नियुक्ति पत्र भी सौंपा। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। शाह ने कहा, पाकिस्तान ने घोर निंदनीय हमला किया। रिहायशी

इलाकों और धार्मिक स्थलों पर हमला किया। उस हमले में हमारे जो नागरिक हताहत हुए हैं, उनके परिजनों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र देने का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। हम सभी जानते हैं कि मुआवजा या सरकारी नौकरी से जीवन में जो हानि हुई है, उसकी क्षतिपूर्ति नहीं हो सकती, लेकिन जम्मू-कश्मीर सरकार, भारत सरकार और समग्र जनता की जो भावना जुड़ी है, यह उसका प्रतीक है। उन्होंने कहा, पूरा देश इस घटनाक्रम में आपके साथ चट्टान की तरह खड़ा है। जो बहादुरी पुंछ के नागरिकों और अधिकारियों ने दिखाई है, उससे पूरे देश का संबल बढ़ा है। पहलगाम में निर्दोष नागरिकों, यात्रियों पर कायराना हमला हुआ। पीएम मोदी की नीति है कि हर आतंकवादी हमले का जवाब तत्परता और कठोरता से दिया जाएगा।

उस नीति के तहत हमने 7 मई की रात को पीओके और पाकिस्तान में जो आतंकवादी अड्डे थे, उन्हें ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा, पहली बार भारत की सेना ने पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी हेडक्वार्टर को नष्ट कर दिया।

यह करारा जवाब समग्र भारत की जनता की ओर से दिया गया। पीएम मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति से लिए गए निर्णय, हमारी एजेंसियों की सटीक सूचनाओं और सेना के अद्भुत साहस और अचूक मारक क्षमता के कारण यह संपन्न हो पाया कि सैकड़ों की संख्या में आतंकवादी हताहत हुए।

खरगे-राहुल के साथ असम कांग्रेस के पदाधिकारियों की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली । असम प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष गौरव गोगोई सहित पार्टी की प्रदेश इकाई के पदाधिकारियों ने यहां कांग्रेस के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में बैठक की जिसमें असम के राजनीतिक हालात पर चर्चा की गयी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बैठक की जानकारी देते हुये कहा, आज, माननीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी के नेतृत्व में, कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में नवगठित असम प्रदेश कांग्रेस के सदस्यों के साथ मुलाकात और बैठक की। समझा जाता है कि बैठक में असम में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर वहां के वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में श्री खरगे तथा श्री गांधी के आलवा प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष गौरव गोगोई, कांगेस संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, प्रदेश प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह अलवर सहित कई प्रमुख नेता मौजूद थे। गौरतलब है कि कांग्रेस ने हाल ही में लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव

गोगोई को असम प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया था और इस नियुक्ति को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की भाजपा की हैट्रिक रोकने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। असम विधानसभा चुनाव में श्री गोगोई का अब मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा से सीधा मुकाबला होना तय माना जा रहा है।

उच्चतम न्यायालय में नवनियुक्त तीन न्यायाधीशों ने ली शपथ

एजेंसी

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय में नवनियुक्त तीन न्यायाधीशों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने शीर्ष अदालत परिसर के एक सभागार में आयोजित समारोह में न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। उनके शपथ ग्रहण करने के साथ ही उच्चतम न्यायालय के लिए कुल निर्धारित 34 न्यायाधीशों की संख्या पूरी हो गई। शपथ ग्रहण समारोह में शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों के अलावा अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता और गणमान्य लोग मौजूद थे।इस महीने उच्चतम न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति ए एस ओका के सेवानिवृत्त होने के बाद शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों के तीन पद खाली हो गए थे। न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की कॉलेजियम ने 26 मई 2025 को विभिन्न उच्च न्यायालयों के तीनों मुख्य न्यायाधीशों को शीर्ष अदालत में न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत करने की सिफारिश की थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मुहर के बाद केंद्र सरकार ने गुरुवार को न्यायमूर्ति अंजारिया, न्यायमूर्ति बिश्नोई और न्यायमूर्ति चंदुरकर को शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी। शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद की शपथ लेने से पहले न्यायमूर्ति अंजारिया कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, जबकि न्यायमूर्ति बिश्नोई गुवाहाटी उच्च न्यायालय और न्यायमूर्ति चंदुरकर बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर थे।

राहुल गांधी की पीएम मोदी को चिट्ठी, पाकिस्तानी गोलाबारी के पीड़ितों के लिए राहत पैकेज की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी। उन्होंने केंद्र सरकार से पाकिस्तानी गोलाबारी के पीड़ितों के लिए राहत पैकेज देने की मांग की। उन्होंने अपने पुंछ दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तानी गोलाबारी में 4 बच्चों सहित 14 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। इस अचानक और अंधाधुंध हमले ने आम इलाकों में भारी तबाही मचाई है। आज संकट के समय में हमारा कर्तव्य है कि हम उनके दुख को समझें और उनके जीवन को फिर से संवारने के लिए हरसंभव मदद करें। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चिट्ठी में लिखा, 'मैंने हाल ही में पुंछ का दौरा किया, जहां पाकिस्तानी गोलाबारी में 4 बच्चों सहित 14 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। इस अचानक और अंधाधुंध हमले ने आम इलाकों में भारी तबाही मचाई है। सैकड़ों घर, दुकानें, स्कूल और धार्मिक स्थल बुरी तरह तबाह हो गए हैं। कई पीड़ितों ने बताया कि उनकी वर्षों की मेहनत एक झटके में बर्बाद हो गई।'

शशि थरूर को लेकर बोले सिसोदिया, कांग्रेस को उनके बयान से आपत्ति है तो यह उनकी पार्टी का अपना निर्णय है

जालंधर। पाकिस्तान में आतंकियों के खिलाफ चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद जिस तरह से पाकिस्तानी सेना बौखला गई और आतंकियों के समर्थन में भारत के खिलाफ हमले की कोशिश में लग गई, उसके बाद भारतीय सेना के मुंहतोड़ जवाब ने पाकिस्तान की सेना को घुटने पर ला दिया। अब पाकिस्तान का आतंकी चेहरा दुनिया के सामने बेनकाब करने के लिए भारत की तरफ से विदेशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को भेजा गया है। उसमें से एक प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के नेता और सांसद शशि थरूर भी शामिल हैं। वह दुनिया में लगातार कई देशों में जाकर पाकिस्तान का चेहरा बेनकाब कर रहे हैं। लेकिन, भारत में उनको लेकर सियासी पार्टियों के बीच खूब बयानबाजी हो रही है। शशि थरूर की पार्टी कांग्रेस के नेता ही उनके इस व्यवहार से खुश नजर नहीं आ रहे हैं, जिसकी वजह से कांग्रेस को तमाम आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। ऐसे में पंजाब के जालंधर पहुंचे आप के पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा से जब शशि थरूर को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने जो कहा वह कांग्रेस के लिए भी परेशानी खड़ी करने वाला है।

छत्तीसगढ़ कोयला लेवी घोटाला: सुप्रीम कोर्ट ने रानू साहू सहित 20 आरोपियों को दी अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ खनन लेवी घोटाला मामले में आरोपी छत्तीसगढ़ काडर की आईएएस अधिकारी रानू साहू और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सचिव सौम्या चौरसिया समेत करीब एक दर्जन आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट ने सशर्त अंतरिम जमानत दे दी है। आईएएस अधिकारी रानू साहू खनन घोटाले के मामले में अक्टूबर 2024 से गिरफ्तारी के बाद से न्यायिक हिरासत में हैं। जबकि, बाकी आरोपी लंबे समय से जेल में बंद हैं। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और दीपांकर दत्ता की बेंच ने इस आधार पर आरोपियों को सशर्त अंतरिम जमानत दी कि मुकदमे में लंबा समय लगने की संभावना है। इस मामले में आरोपियों को अंतरिम जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि आरोपी अगले आदेश तक छत्तीसगढ़ में नहीं रहेंगे। जब भी आवश्यकता होगी, तब बुलाने पर सभी अदालत के समक्ष उपस्थित होंगे। उन्हें अपने रहने के स्थान की जानकारी संबंधित पुलिस स्टेशन को भी देनी होगी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि आरोपी गवाहों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित करते पाए जाते हैं तो इसे अंतरिम जमानत का दुरुपयोग माना जाएगा। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वे अंतरिम जमानत पर रिहा होने पर अपना पासपोर्ट तुरंत निचली अदालत में जमा कराएं। इसके साथ ही यह भी कहा कि आरोपियों को जांच में पूरा सहयोग करना होगा।

दिल्ली के महापौर ने मालवीय नगर में तिरंगा यात्रा के साथ चलाया स्वच्छता अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने स्वच्छता को बढ़ावा देने और देशभक्ति की भावना जगाने के लिए मालवीय नगर में तिरंगा यात्रा के साथ स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान युसुफ सराय से सुदर्शन रोड तक चला। इस सफाई अभियान में विधायक सतीश उपाध्याय और निगम पार्षद कमल भारद्वाज शामिल हुए। इस अवसर पर स्वच्छता को एक सतत जन आंदोलन बताते हुए महापौर राजा इकबाल सिंह ने स्वच्छता अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य न केवल शहर की सुंदरता में सुधार करना है। बल्कि निवासियों के जीवन की समग्र गुणवत्ता को भी बढ़ाना है। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य बहुत महत्वपूर्ण है। स्वच्छता एक सतत प्रक्रिया है। पिछले 20 दिनों से इस पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में जन भागीदारी के साथ और नगर निगम और दिल्ली सरकार के सहयोग से मालवीय नगर क्षेत्र में क्षेत्र को साफ करने के लिए एकजुट हुए। जनता भी स्वच्छता का समर्थन कर रही है।

अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर घोटाला मामले में आरोपी ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर घोटाला मामले की सुनवाई के दौरान ब्रिटिश नागरिक और घोटाले के आरोपी क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की याचिका को खारिज कर दिया। दरअसल, क्रिश्चियन मिशेल ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए अपील दायर की थी। इसी की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उसे इस मामले में राहत देने से साफ इनकार कर दिया।

क्रिश्चियन मिशेल ने अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर घोटाला मामले में दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा जमानत की शर्त के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर घोटाला मामले में क्रिश्चियन मिशेल को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था, इसके साथ ही कोर्ट ने शर्त रखी थी कि उसे भारत में अपने निवास के बारे में जानकारी

देनी होगी, जहां जमानत मिलने के बाद वह रहने वाला है। इसके बाद हाई कोर्ट की जमानत शर्त के खिलाफ क्रिश्चियन मिशेल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी और इन जमानत की शर्तों में संशोधन की मांग की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। क्रिश्चियन मिशेल के वकील ने सुप्रीम कोर्ट के सामने दलील दी कि हाई कोर्ट की ओर से रखी जमानत की शर्त में रिहाई से पहले एक स्थानीय पता देना शामिल है। जब तक वह बाहर नहीं आ जाता, यह शर्त पूरी नहीं की जा सकती। मिशेल का पासपोर्ट एक्सपायर हो चुका है और वह लोकल एड्रेस देने में असमर्थ है।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर वह स्थानीय पता नहीं दे सकते तो बेहतर है कि वह तिहाड़ जेल में ही रहें, क्या कर सकते हैं! हमने आपको जमानत दे दी है, आप शर्त भी पूरी नहीं करना चाहते? अगर आपका परिवार आपको निर्देश दे सकता है तो यह भी कर सकता है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने क्रिश्चियन मिशेल की जमानत की शर्तों में संशोधन की मांग वाली उनकी याचिका पर विचार करने से साफ इनकार कर दिया।

सेवानिवृत्त होने पर अर्धसैनिक बल के जवान को मिलेगा एक पद उच्च मानद रैंक

एजेंसी

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और असम राइफल्स (एआर) के जवानों के सम्मान में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। ऑफिसर रैंक से नीचे के जवानों को सेवानिवृत्ति के दिन एक पद उच्च मानद रैंक दिया जाएगा। इसकी जानकारी आज गृह मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के अनुसार इस योजना का उद्देश्य जवानों के आत्मसम्मान और मनोबल को बढ़ावा देना है। लंबी और अनुकरणीय सेवा देने वाले जवानों को यह रैंक दिया जाएगा। इसके लिए कुछ शर्तें तय की गई हैं। जवान का सेवा रिकॉर्ड साफ होना चाहिए। पिछले पाँच वर्षों की एपीएआर रिपोर्ट कम से कम 'गुड' होनी चाहिए। किसी प्रकार की बड़ी सजा न मिली हो और ईमानदारी पर कोई संदेह न हो। साथ ही विभागीय जांच और सतर्कता मंजूरी भी जरूरी होगी। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि रैंक जवान को सेवानिवृत्ति के दिन दिया जाएगा। हालांकि, इस रैंक के साथ कोई आर्थिक या पेंशन लाभ नहीं मिलेगा। यह पूरी तरह से प्रतीकात्मक सम्मान होगा। यह रैंक उसी कैटेगरी में दी जाएगी जिसमें वह जवान कार्यरत रहा है।सीएपीएफ में कांस्टेबल को हेड कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल को एएसआई, एएसआई को सब-इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर को इंस्पेक्टर की मानद रैंक दी जाएगी। इसी प्रकार, असम राइफल्स में राइफलमैन को हवलदार, हवलदार को वारंट ऑफिसर, वारंट ऑफिसर को नायब सूबेदार और नायब सूबेदार को सूबेदार की मानद रैंक दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल(सीएपीएफ) देश की आंतरिक सुरक्षा, सीमा सुरक्षा, और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राघव चड्ढा को लंदन में 'आइडियाज फॉर इंडिया' कॉन्फ्रेंस का मिला न्योता

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा को प्रतिष्ठित 'आइडियाज फॉर इंडिया' कॉन्फ्रेंस में आमंत्रित किया गया है। यह यूके के प्रसिद्ध थिंक टैंक 'ब्रिज इंडिया' द्वारा 30 मई को रॉयल लैंकेस्टर, लंदन में आयोजित की जाएगी। यह कॉन्फ्रेंस इंडिया वीक का प्रमुख हिस्सा है। इस कॉन्फ्रेंस में सांसद राघव चड्ढा बतौर स्पीकर शामिल होंगे। इस अहम कॉन्फ्रेंस में भारत के आर्थिक विकास और दुनिया में उसकी भूमिका पर गहरी चर्चा होगी। इसमें कई पॉलिसी मेकर्स और भारत के प्रतिष्ठित बिजनेसमैन शामिल होंगे। आप सांसद राघव चड्ढा लंदन में हो रही इस कॉन्फ्रेंस में एक खास चर्चा में हिस्सा लेंगे, जिसका नाम है, 'भारत एक बहुध्रुवीय दुनिया में'। इस चर्चा में वे भारत की रणनीतिक आजादी, दुनिया में बढ़ते प्रभाव और भारत की ग्लोबल नॉर्थ और साउथ के बीच एक पुल यानी ब्रिज की भूमिका पर अपने विचार साझा करेंगे। साथ ही, वे भारत की

हाल की उपलब्धियों, जिसमें 'ऑपरेशन सिंदूर' की कामयाबी के अलावा डिफेंस और डिप्लोमेसी में मिली सफलताओं के अलावा तकनीक व युवा नेतृत्व के योगदान पर भी बात करेंगे। 'आइडियाज फॉर इंडिया' कॉन्फ्रेंस के आमंत्रण पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद राघव चड्ढा ने कहा, मैं ब्रिज इंडिया और इंडिया वीक 2025 का हिस्सा बनकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। आइडियाज फॉर इंडिया कॉन्फ्रेंस भारत के भविष्य को आकार देने का एक शानदार मंच है। मुझे खुशी होगी कि मैं इस आयोजन में अपने विचार साझा कर सकूं और भारत के विकास और उसकी वैश्विक भूमिका पर अपने विचार साझा करने के लिए उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, दुनिया की अर्थव्यवस्था और राजनीतिक हालात बदल रहे हैं, और भारत विकास के एक बड़े केंद्र के रूप में उभर रहा है। जब बाकी देश व्यापार और सप्लाई चेन को मजबूत करने के बारे में सोच रहे हैं, तब भारत और ब्रिटेन के पास अपने रिश्तों को और बेहतर करने का यह शानदार मौका है। खासकर यूके-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत का यह सही समय है। मैं आइडियाज फॉर इंडिया 2025 में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ मिलकर यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि हम भारत के विकास के अगले कदम को कैसे बेहतर बना सकते हैं।

स्थायी मानवीय मूल्य की स्थापना ही कालजयी साहित्य की पहचान: द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि देश के 140 करोड़ देशवसियों के परिवार में अनेक भाषाएं और अनगिनत बोलियां हैं। साहित्यिक परंपराओं की असीम विविधता है, लेकिन इस विविधता में भारतीयता का स्पंदन महसूस होता है। भारतीयता का यही भाव हमारे देश की सामूहिक चेतना में रचा-बसा है। मैं मानती हूं कि सभी भाषाओं में लिखित साहित्य मेरा ही साहित्य है। राष्ट्रपति मुर्मु दो दिवसीय साहित्यिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। इसका आयोजन साहित्य अकादमी और राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। दो दिवसीय 'कितना बदल चुका है साहित्य? विषयक साहित्यिक सम्मेलन में कई प्रतिष्ठित साहित्यकार, लेखक भाग ले रहे हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने गोपबंधु दास, रवींद्रनाथ ठाकुर, फकीरमोहन सेनापति, गंगाधर मेहर, प्रतिभा राय आदि को संदर्भित करते हुए कहा कि आज का साहित्य

उपदेशात्मक नहीं हो सकता। साहित्य से प्रेरणा लेकर मनुष्य सपने देखता है और उन्हें साकार करता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे समाज और सामाजिक संस्थान बदले हैं, चुनौतियां और प्राथमिकताएं भी बदली हैं। ऐसे ही साहित्य में भी बदलाव देखे गए हैं, लेकिन स्थायी मानवीय मूल्य की स्थापना कालजयी साहित्य की पहचान होती है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज के, समाज की भावनाओं के और समाज की स्थितियों के दर्पण स्वरूप हैं।

दर्पण होने के साथ-साथ यह समाज के मार्गदर्शन का काम भी करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश सांस्कृतिक पुनरुद्धार के दौर से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में साहित्य सृजकों की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है।

तकरीबन 15 प्रतिशत बच्चे लॉन्ग-कोविड से पीड़ित : अध्ययन

एजेंसी

नई दिल्ली। कोविड-19 के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। इस बीच, एक नए अध्ययन से पता चला है कि लगभग 15 प्रतिशत बच्चे लॉन्ग कोविड से पीड़ित हैं। उम्र के हिसाब से उनके लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं। बच्चों में लॉन्ग कोविड को लंबे समय तक रहने वाले लक्षणों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो सार्स-कोव-2 संक्रमण के बाद कम से कम तीन महीने तक रहते हैं। शोध पत्रिका जामा पीडियाट्रिक्स में प्रकाशित अध्ययन में 472 शिशुओं और मार्च 2022 से जुलाई 2024 तक नामांकित 539 प्रीस्कूल-आयु वर्ग के बच्चों को शामिल किया गया है। इसमें पाया गया कि लगभग 15 प्रतिशत बच्चों में लॉन्ग कोविड था। दो साल और उससे कम आयु के 278 बच्चों में से लगभग 40 (14 प्रतिशत) में लक्षण थे, जबकि तीन से पांच वर्ष की आयु के 399 बच्चों में से 61 (15 प्रतिशत) में लक्षण थे। इसके अलावा, अध्ययन से पता चला है कि शिशुओं और बच्चों में तीन से

पांच साल की उम्र के प्रीस्कूलर की तुलना में अलग-अलग लॉन्ग-कोविड लक्षण दिखाई देते हैं। शिशुओं और बच्चों (दो साल से कम उम्र के) में सोने में परेशानी, चिड़चिड़ापन, भूख न लगना, नाक बंद होना और खांसी होने की संभावना अधिक होती है। तीन से पांच साल की उम्र में सूखी खांसी और दिन में थकान/कम ऊर्जा होने की संभावना अधिक होती है। कुल मिलाकर, संभावित लॉन्ग कोविड वाले 74 प्रतिशत प्रीस्कूलर ने सूखी खांसी की सूचना दी। ये लक्षण आमतौर पर बड़े बच्चों और किशोरों में देखे जाने वाले लक्षणों से बहुत अलग हैं, जिन्हें लॉन्ग कोविड है। अध्ययन में पाया गया कि स्कूल जाने वाले बच्चों में न्यूरोलॉजिकल लक्षण होने की संभावना अधिक होती है, जैसे ध्यान केंद्रित करने में परेशानी, सोने में परेशानी या चक्कर आना। उन्हें पीठ या गर्दन में दर्द, सिरदर्द, पेट में दर्द या उल्टी भी हो सकती है। कभी-कभी, उनके व्यवहार में बदलाव होते हैं। मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल (एमजीएच) में बायोस्टैटिस्टिक्स रिसर्च एंड एंगेजमेंट के एसोसिएट डायरेक्टर तनयोट (टोनी) थावेथाई ने कहा, ÷यह अध्ययन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दर्शाता है कि छोटे बच्चों में लंबे समय तक कोविड के लक्षण बड़े बच्चों और वयस्कों से अलग होते हैं। इसके अलावा, टीम ने नोट किया कि कई लक्षणों को इस तथ्य से समझाया जा सकता है कि छोटे बच्चों में लक्षण इस आधार पर बताए जाते हैं कि देखभाल करने वाले क्या देख सकते हैं, न कि बच्चे खुद क्या महसूस कर रहे हैं और क्या वर्णन कर रहे हैं। थावेथाई ने कहा, इन लक्षणों वाले बच्चों का स्वास्थ्य अक्सर खराब होता है, जीवन की गुणवत्ता कम होती है और विकास में देरी होती है। उन्होंने छोटे बच्चों पर कोविड के प्रभाव पर और अधिक शोध करने का आह्वान किया।

भारत ने एक बार फिर कहा, संघर्ष विराम में व्यापार मुद्दा नहीं रहा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर दोहराया है कि पाकिस्तान के साथ ऑपरेशन सिंदूर के बाद संघर्ष विराम पड़ोसी देश की ओर से आए अनुरोध के कारण ही हुआ था और इसमें तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं थी। साथ ही इस दौरान कई देशों के नेताओं से बातचीत हुई थी लेकिन उसमें कहीं भी व्यापार के बारे में कोई बातचीत नहीं हुई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। प्रश्न में एक अमेरिका अदालत में वहां की सरकार की ओर से टैरिफ नीति को सही ठहराने के लिए भारत-पाक संघर्ष विराम का उदाहरण दिया गया था। इसी पर प्रवक्ता ने आज एक बार फिर स्पष्टीकरण दिया है। प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच फायरिंग बंद करने का निर्णय दोनों देशों के डीजीएमओ के सीधे संपर्क से लिया गया था और इस वार्ता में व्यापार या शुल्क से संबंधित कोई मुद्दा नहीं उठा।

इस दौरान प्रवक्ता ने बताया कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार वार्ताएं फिलहाल जारी हैं और हाल ही में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका यात्रा हुई है। उन्होंने कहा कि बातचीत पूरी होने के बाद ही कोई ठोस जानकारी साझा की जा सकेगी।विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री की अमेरिका यात्रा (27 से 29 मई) के बारे में जानकारी देते हुए जायसवाल ने बताया कि उन्होंने व्हाइट हाउस में उच्च स्तरीय बैठकें कीं। इन बैठकों में क्रिटिकल मिनरल्स और उभरती प्रौद्योगिकियों पर द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

अब वक्त आ गया है कि देश की मानवीय बुद्धिमत्ता एआई क्रांति का नेतृत्व करे : धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई दिल्ली में सेंटर ऑफ पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस (सीपीआरजी) द्वारा आयोजित 'पढ़ाई – शिक्षा में एआई पर सम्मेलन' के समापन सत्र को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्रालय की भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष चमू कृष्ण शास्त्री, सीपीआरजी के निदेशक डॉ. रामानंद और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महज एक तकनीक नहीं, बल्कि शक्ति को कई गुना बढ़ाने वाला और नवाचार की प्रेरणा देने वाला कारक है। यह सहानुभूति और तकनीक के बीच का एक सेतु है। अब वक्त आ गया है कि देश की मानव बुद्धिमत्ता, मौजूदा वक्त में एआई क्रांति का नेतृत्व करे।

केंद्रीय मंत्री ने एआई पर सरकार द्वारा की गई अहम पहलों का भी जिक्र किया, जिनमें एआई में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना और भारतीय भाषाओं में एआई का लाभ उठाने और कक्षाओं में आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने की घोषणा शामिल है, जो एक ऐसी पहल है, जो चॉकबोर्ड से चिपसेट तक के सफर में तमाम बदलावों को

लाने में मददगार साबित हो रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि स्कूली शिक्षा में एआई को एकीकृत करना अब विकल्प नहीं, बल्कि बेहद जरूरी हो गया है। उन्होंने शिक्षाविदों और तकनीकी विशेषज्ञों से इन विचारों पर मंथन करने और एआई पर नीतिगत सिफारिशें करने का आह्वान किया। दो दिनों तक चले इस पढ़ाई कॉन्क्लेव में भारतीय शिक्षा के भविष्य को आकार देने में एआई की भूमिका को लेकर विभिन्न विचार सामने आए। वक्ताओं ने चर्चा करते हुए बताया कि किस तरह एआई कक्षाओं से परे, सीखने की विचारधारा का विस्तार कर रहा है, उच्च शिक्षा को बदल रहा है और मौजूदा संस्थानों में मुश्किलों को दूर कर रहा है। कार्यक्रम में शामिल प्रख्यात वक्ताओं में भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद, दिल्ली सरकार के गृह, बिजली, शहरी विकास, शिक्षा, उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री आशीष सूद, भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के सचिव और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष डॉ. विनीत जोशी, इंडियाएआई मिशन के सीईओ अभिषेक सिंह, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. पंकज अरोड़ा, राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे, दिल्ली विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. योगेश सिंह, इन्फो एज के सह-संस्थापक संजीव बिकचंदानी और दिल्ली के हिगाशी ऑटिज्म स्कूल की अध्यक्ष डॉ. रश्मि दास भी मौजूद रहे।

जातिगत आंकड़े एकीकरण के उपकरण बन सकते हैं: उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली।उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज केन्द्र सरकार की ओर से जाति आधारित जनगणना कराए जाने के निर्णय को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि इससे सामाजिक न्याय सुनिश्चित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जातिगत आंकड़े विभाजनकारी नहीं हैं, बल्कि एकीकरण के उपकरण बन सकते हैं।

उपराष्ट्रपति ने आज नई दिल्ली में भारतीय सांख्यिकी सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने जातिगत जणगणना के निर्णय को परिवर्तनकारी और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बताया। उन्होंने कहा, 'जातिगत आंकड़े, यदि सोच-समझकर एकत्र किए जाएं तो वे किसी भी प्रकार से विभाजनकारी नहीं हैं, बल्कि वे एकीकरण के उपकरण बन सकते हैं। कुछ लोग इस पर बहस कर रहे हैं, लेकिन हम परिपक्व समाज हैं। किसी जानकारी को इकट्ठा करना समस्या कैसे हो सकता है? यह तो अपने शरीर की एमआरआई कराने जैसा है- तभी तो आपको अपने बारे में जानकारी मिलती है। इस प्रक्रिया से हम संविधान में निहित समानता जैसे अमूर्त संकल्पों को मापनीय और जवाबदेह नीतिगत परिणामों में परिवर्तित कर सकते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि सांख्यिकी केवल संख्यायें नहीं है। सांख्यिकी पैटर्न की पहचान और नीतिगत समझ की दिशा में अंतर्दृष्टियों का माध्यम है। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने आंकड़ों को नीतियों में बदलने की आवश्यकता पर बल दिया। धनखड़ ने शासन में 'अद्यतन और सटीक' डेटा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ÷ठोस आंकड़ों के बिना नीति योजना बनाना अंधेरे में सर्जरी करने जैसा है।÷ उनका मानना है कि हर आंकड़ा एक मानवीय कहानी का प्रतिनिधित्व करता है। उपराष्ट्रपति ने भारत की भाषाई विविधता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमारी भाषाएं हमारी शक्ति हैं और विभाजन का कारण नहीं बन सकतीं।

नौसेना की दो बहादुर महिला अधिकारी 'नाविका सागर परिक्रमा' करके लौटीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की दो बहादुर महिला अधिकारी लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए आठ माह बाद 'नाविका सागर परिक्रमा' करके घर लौटीं।

रक्षा मंत्री ने गोवा में इस ऐतिहासिक परिक्रमा अभियान को पूरा करने में उनके साहस की सराहना करते हुए उनकी यात्रा को नारी शक्ति का प्रतीक बताया। अभियान के दूसरे संस्करण में दोनों महिला अधिकारी ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की पहली महिला बन गई हैं। दोनों अधिकारियों को पिछले साल 02 अक्टूबर को इस चुनौतीपूर्ण अभियान पर गोवा से रवाना किया गया था। आठ महीनों के दौरान नौसेना की इस जोड़ी ने चार महाद्वीपों, तीन महासागरों और तीन ग्रेट केप में 25,400 एनएम (लगभग 50,000 किमी) की दूरी तय की, जिसमें मौसम की प्रतिकूल स्थिति और चुनौतीपूर्ण समुद्रों का सामना किया। दोनों महिलाओं ने फ्रेमेंटल (ऑस्ट्रेलिया), लिटलटन (न्यूजीलैंड), पोर्ट स्टेनली (फॉकलैंड द्वीप) और केप टाउन (दक्षिण अफ्रीका) के बंदरगाहों पर विराम लिया। राजनाथ सिंह ने दोनों महिला अधिकारियों की मानसिक शक्ति की सराहना की, क्योंकि उन्होंने आठ महीने की लंबी समुद्री यात्रा के दौरान कई तरह की मुश्किलों का सफलतापूर्वक मुकाबला किया। उन्होंने कहा कि हर कोई लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा की तरह इस उपलब्धि को हासिल नहीं कर सकता है, जो उनके धैर्य, दृढ़ संकल्प और ताकत को दर्शाता है। विभिन्न बंदरगाहों पर भारतीय और प्रवासी भारतीयों की ओर से मिले गर्मजोशी भरे स्वागत पर रक्षा मंत्री ने कहा कि दोनों महिला अधिकारियों ने पूरी दुनिया में तिरंगा लहराकर देश को गौरवान्वित किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि वे अपने कड़वे-मीठे अनुभवों और सीखों को दर्ज करें, ताकि आने वाली पीढ़ी, खासकर हमारी युवा महिलाएं

इससे प्रेरित हो सकें।रक्षा मंत्री ने कुछ दिन पहले महिला अधिकारियों के साथ अपनी वर्चुअल बातचीत को याद करते हुए कहा कि इस बातचीत ने उन्हें भावनाओं से भर दिया था। उन्होंने गोवा में स्वागत समारोह का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर की और इसे देश के लिए बहुत गर्व की बात बताया। इस अभियान को विभिन्न चुनौतियों पर काबू पाने में भारतीय नौसेना की बहादुरी और लचीलेपन का प्रमाण बताते हुए राजनाथ सिंह ने अभियान में योगदान देने वाले कर्मियों को बधाई दी।

ज्ञानेश कुमार के सीईसी रहते हुए 100 दिन पूरे, 21 नई पहलों की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के तौर पर ज्ञानेश कुमार को कार्यभार संभाले हुए 100 दिन हो गए हैं। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने 26वें सीईसी के नेतृत्व में इस दौरान चुनावी प्रक्रिया को मजबूत करने और मतदाता सुविधा को बढ़ाने के लिए 21 नई पहलें शुरू की हैं। इनका उद्देश्य चुनाव प्रबंधन को सरल बनाना और मतदाता अनुभव को बेहतर करना है। चुनाव आयोग का कहना है कि सीईसी ज्ञानेश कुमार के कार्यभार ग्रहण करने के बाद से पहले 100 दिनों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। चुनाव आयोग ने मतदान केंद्रों पर अधिकतम मतदाताओं की संख्या 1,500 से घटाकर 1,200 कर दी है। घनी आबादी वाले क्षेत्रों, जैसे गेटेड समुदायों और ऊंची इमारतों में अतिरिक्त मतदान बूथ स्थापित किए जाएंगे। आयोग का लक्ष्य है कि कोई भी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए 2 किलोमीटर से अधिक यात्रा न करे। मतदाता सूचना स्लिप को स्पष्टता के लिए फिर से डिज़ाइन किया गया है। इसमें क्रमांक और भाग संख्या की दृश्यता को बढ़ाया गया है। मतदाताओं की सुविधा के लिए हर मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार पर मोबाइल जमा सुविधा स्थापित की जाएगी। अब उम्मीदवारों द्वारा सेटअप किए गए बूथ मतदान केंद्र के प्रवेश से 100 मीटर के दायरे के ठीक बाद भी स्थापित किए जा सकेंगे। सरल उपयोगकर्ता इंटरफेस के लिए एक नया एकीकृत डैशबोर्ड-ईसीआईनेट विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य सभी हितधारकों के लिए सभी सेवाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। कुछ मॉड्यूल वर्तमान उपचुनावों में उपलब्ध होंगे और बिहार विधानसभा चुनाव के समय पूरा डैशबोर्ड विभिन्न हितधारकों के लिए उपलब्ध होगा। ईसीआई ने मृतक पंजीकरण डेटा को सीधे रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया से एकीकृत करने की शुरुआत की है। इससे मृत मतदाताओं को समय पर और सत्यापित तरीके से मतदाता सूची से हटाया जा सकेगा। बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) की भूमिका इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण होगी। उपचुनाव से पहले विशेष सारांश संशोधन किया गया है। यह उपचुनाव से पहले किया गया पहला ऐसा अभ्यास है।

संपादक की कलम से

मोदी सरकार ने किसानों की बात बनाई है

जब देश के करोड़ों किसानों की आंखों में भरोसे की लौ जलती है और उनके होंठों पर मुस्कान खिलती है, तो समझिए कि देश की बागडोर उन हाथों में है जो सिर्फ कुर्सी नहीं, ज़िम्मेदारी संभालते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि किसान कल्याण उनके लिए महज एक नारा नहीं, बल्कि एक पवित्र संकल्प है, जिसे वे हर सांस के साथ निभा रहे हैं। हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लिए गए फैसले न केवल किसानों के लिए एक तोहफा हैं, बल्कि भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का एक साहसिक दस्तावेज हैं। 2025-26 के खरीफ विपणन सत्र के लिए 14 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में 50 फीसदी तक की अभूतपूर्व वृद्धि और ब्याज सहायता योजना की निरंतरता ने यह साबित कर दिया है कि मोदी सरकार का हर कदम किसानों के सम्मान और उनकी समृद्धि के लिए है। यह लेख उस ऐतिहासिक प्रयास को नमन है, जो भारत के खेत-खलिहानों को आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का नया सूरज दिखा रहा है। मोदी सरकार ने खरीफ विपणन सत्र 2025-26 के लिए 14 प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में भारी वृद्धि को मंजूरी दी है, जिसका अनुमानित वित्तीय प्रभाव 2.07 लाख करोड़ रुपये है। यह कोई साधारण फैसला नहीं, बल्कि भारत के कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने वाला एक क्रांतिकारी कदम है। धान, जो भारत की रसोई का आधार है, इसका एमएसपी 3 प्रतिशत बढ़ाकर 2,369 प्रति क्विंटल (सामान्य धान) और 2,389 प्रति क्विंटल (ग्रेड-ए धान) कर दिया गया है। यह वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में 69 प्रति क्विंटल की है, जो किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाने का एक ठोस प्रयास है। दालों और तिलहन की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। अरहर का एमएसपी 450 की बढ़ोतरी के साथ 8,000 प्रति क्विंटल, उड़द का 400 की वृद्धि के साथ 7,800 प्रति क्विंटल, और मूंग का 86 की बढ़त के साथ 8,768 प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, नाइजरसीड, रागी, कपास और तिल जैसी फसलों के एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई है, जो सरकार की उस नीति को दशार्ता है जो दालों, तिलहन और पोषक अनाजों को प्रोत्साहन दे रही है। यह केवल आंकड़ों की बात नहीं, बल्कि उन लाखों किसानों के आत्मसम्मान की कहानी है, जिनके लिए खेती सिर्फ आजीविका नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। यह वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 के उस ऐतिहासिक वादे का परिणाम है, जिसमें सरकार ने एमएसपी को उत्पादन लागत का कम से कम 1.5 गुना करने का संकल्प लिया था। बाजरा (63%), मक्का और तुअर (59%), और उड़द (53%) जैसी फसलों के लिए लागत पर उच्च मार्जिन सुनिश्चित करना इस बात का प्रमाण है कि मोदी सरकार न केवल वादे करती है, बल्कि उन्हें हकीकत में बदलने का जज्बा भी रखती है। यह नीति न केवल आर्थिक लाभ देगी, बल्कि फसल विविधीकरण को बढ़ावा देकर भारत को तिलहन और दालों में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

मोदी सरकार की दूरदर्शिता केवल एमएसपी तक सीमित नहीं है। खेती के लिए पूंजी की आवश्यकता को समझते हुए सरकार ने संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) को 2025-26 तक जारी रखने का फैसला किया है। इस योजना के तहत, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से किसानों को 7% की रियायती ब्याज दर पर 3 लाख तक का अल्पकालिक ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। समय पर ऋण चुकाने वाले किसानों को 3% अतिरिक्त ब्याज छूट मिलेगी, जिससे प्रभावी ब्याज दर मात्र 4% रह जाएगी। पशुपालन और मत्स्य पालन जैसे संबद्ध क्षेत्रों के लिए 2 लाख तक के ऋण पर भी यह लाभ लागू है। इस योजना पर 15,640 करोड़ रुपये का निवेश दशार्ता है कि सरकार किसानों की आर्थिक जरूरतों के प्रति कितनी संवेदनशील है। देश में 7.75 करोड़ से अधिक केसीसी खातों के साथ, यह योजना लाखों किसानों के लिए वित्तीय सुरक्षा का कवच बन रही है। यह केवल ऋण देना नहीं, बल्कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का एक मिशन है। समय पर ऋण चुकाने की प्रोत्साहन राशि न केवल वित्तीय अनुशासन को बढ़ावा देती है, बल्कि किसानों के बीच विश्वास भी जगाती है कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व एक ऐसी मशाल है, जो न केवल रास्ता दिखाती है, बल्कि उस रास्ते पर चलने की हिम्मत भी देती है। उनकी सरकार ने बार-बार साबित किया है कि किसान उनके लिए केवल मतदाता नहीं, बल्कि देश की प्रगति का आधार हैं। चाहे वह एमएसपी में ऐतिहासिक वृद्धि हो, ब्याज सहायता योजना हो, या फिर किसान सम्मान निधि जैसे कदम, हर नीति में किसानों के प्रति एक गहरी प्रतिबद्धता झलकती है। यह सरकार वह नहीं जो सिर्फ घोषणाएं करती हो; यह वह सरकार है जो खेतों की मिट्टी में विश्वास बोती है और किसानों के चेहरों पर मुस्कान लाती है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ठीक ही कहा, पिछले 10-11 वर्षों में खरीफ फसलों के एमएसपी में भारी बढ़ोतरी की गई है।

हिंदी पत्रकारिता : दो सदी पर खड़े कुछ अहम सवाल

- अरविंद कुमार सिंह

आज भी हिंदी में अनुवाद की पत्रकारिता का बोलबाला बरकरार है और कई हिंदी अखबारों पर टीवी चैनलों और सोशल मीडिया की भाषा का असर भी साफ दिखता है। यह सत्य भी अपनी जगह है कि हिंदी पत्रकारिता ने देश की आजादी और राष्ट्र निर्माण दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आजादी की लड़ाई का वास्तविक प्रतिबिंब भी हिंदी पत्रकारिता में दिखता है। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी से लेकर गणेशशंकर विद्यार्थी जैसी पत्रकार परंपरा हिंदी में रही है।

30 मई 1826 को बंगलाभाषी कोलकाता से हिन्दी का पहला अखबार 'उदन्त मार्तण्ड' 500 प्रतियों के साथ आरंभ हुआ। केवल 79 अंक निकले औ? इसका जीवनकाल एक साल सात माह रहा। 4 दिसम्बर 1826 को यह बंद भी हो गया। इसके संस्थापक पं. युगलकिशोर शुक्ला ने हिन्दी पत्रकारिता की आदि प्रतिज्ञा निर्धारित की, 'हिन्दुसस्तारनियों के हित हेतु'।

1976 में आपातकाल के दौरान जब इसके प्रकाशन का 150 साल हो रहा था तो लखनऊ में हजारी प्रसाद द्विवेदी के अध्यक्षता में पत्रकारों के जमावड़े के बीच 30 मई को पत्रकारिता दिवस मनाने का फैसला हुआ। तब से अब तक हिंदी हिंदी पत्रकारिता का जमीनी आधार बहुत मजबूत हो चुका है। हिंदी में नए अखबारों के साथ स्थापित अखबारों के नए संस्करण निकल रहे हैं। वेतन और सुविधाओं के मामले में हिंदी पत्रकारों की दशा पहले से बेहतर हुई हैं। इलेक्ट्रानिक मीडिया के विस्तार के बावजूद हिंदी और भाषाई अखबारों का प्रसार बढ़ता जा रहा है। चैनलों और सोशल मीडिया के प्रवाह के बाद भी खबरों को विस्तार से जानने का सबसे भरोसेमंद साधन हिंदी और भाषाई अखबार ही बने हुए हैं। अधिकतर चैनल और सोशल मीडिया पर भी हिंदी और भारतीय भाषाएं ही मजबूत हैं।

देश की राजधानी रहने के कारण कोलकाता 5 भाषाओं की पत्रकारिता का प्रारंभिक केंद्र रहा। अंग्रेजी पत्रकारिता (1780), बांग्ला पत्रकारिता (1818), उर्दू और फारसी पत्रकारिता (1822) में आरंभ हुई। पर हिन्दी पत्रकारिता का अजीब दुर्भाग्या यह रहा कि पं. युगलकिशोर शुक्ल8 का कोई चित्र भी नहीं मिलता। सप्रे संग्रहालय के संस्थापक विजयदत्त श्रीधरजी ने इस विषय पर काफी काम किया है। उनका कहना है कि कुछ लोगों ने आचार्य शिवपूजन सहाय के चित्र को शुक्ला जी के चित्र के रूप में प्रसारित कर रखा है। यह खुशी की बात है कि माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थानि 'उदन्ते मार्त्तण्ड ' की द्वि शताब्दी् समारोह श्रृंखला 21 जून, 2025 से आरंभ कर रहा है जो 30 मई, 2026 तक चलेगा।

आजादी के पहले भारत में किसी हिंदी अखबार की प्रसार संख्या 30 हजार से ज्यादा नहीं थी आज इनका व्यापक प्रसार है। विशुद्ध क्षेत्रीय माने जाने वाले कई अखबार चाहे वे कहीं से निकल रहे हों, उन्होंने राष्ट्रीय कहे जाने वाले अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है। ग्रामीण अंचलों में उनकी जड़ें मजबूत हैं। हिंदी पत्रकारिता ही नहीं विश्व पटल पर हिंदी की हैसियत भी इतनी बढ़ चुकी है कि10 जनवरी, 2006 के बाद से विश्व हिंदी दिवस भी मनाया जा रहा है।

दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जा रही है और तमाम बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने लोगों को हिंदी सिखा रही हैं। अपनी शक्ति के कारण ही हिंदी विश्व में बोली जाने वाली तीसरी सबसे प्रमुख भाषा बन सकी है। अंग्रेजी और मंदारिन के बाद हिंदी का स्थान है। फिर स्पेनिश औ? फ्रेंच का। पहले शिकायतें होती थी कि हमारे नेता हिंदी में नहीं बोलते हैं, लेकिन अब ये बात भी नहीं है।

भारत 120 करोड़ मोबाइल फोन धारकों के साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा दूरसंचार बाजार है। गरीब की झोपड़ी से लेकर अट्टालिकाएं तक संचार और सूचना क्रांति से आलोकित हैं। भारत में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 94.49 करोड़ तक पहुंच गयी है। इस ताकत पर भी हिंदी की शक्ति में काफी इजाफा हुआ है। हिंदी भाषी इलाकों में साक्षरता की दर तेजी से बढ़ी है लिहाजा बड़ा पाठक वर्ग, दर्शक या श्रोता इससे जुड़ रहे हैं।

अंग्रेजी के कई नामी पत्रकारों और दिग्गज नेताओं और मंत्रियों को भी हिंदी अखबारों में छपने का मोह प्रायः दिखता रहता है। विभिन्न माध्यमों के विस्तार के बाद भी हिंदी अखबारों और पत्रिकाओं की हैसियत काफी अधिक है। उनके रंग-रूप और कलेवर बदल गए और खबरों की दुनिया भी।

अंग्रेजी राज में अंग्रेजी पत्रकारिता को शासन से विशेष महत्व मिलता था, जबकि भाषाई पत्रकारिता का बागी तेवर था। तभी 1857 में लार्ड केनिंग का सबसे बड़ा प्रहार भाषाई पत्रकारों पर हुआ। तबसे नीति निमार्ताओं के नजरिए में खास बदलाव नहीं आया है। खबरों के स्त्रोत को देखें तो पता चलता है कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का पत्रकार भले ही जमीनी संपर्को के आधार पर बड़ी से बड़ी खबर ब्रेक कर दे पर उच्च नौकरशाही के स्तर पर उसे सीमित जानकारी केवल सूचना अधिकारियों के माध्यम से मिलती है।

राजनीतिक नेतृत्व जरूर भाषाई पत्रकारों को महत्व देता है क्योंकि वोट मांगना हो या फिर जनता के बीच संवाद, वह अंग्रेजी में संभव नहीं है। इस कारण महत्व देना पड़ता है। नौकरशाही आज भी हिंदी पत्रकारिता के प्रति अलग नजरिया रखती है। आज भी हिंदी में अनुवाद की पत्रकारिता का बोलबाला बरकरार है और कई हिंदी अखबारों पर टीवी चैनलों और सोशल मीडिया की भाषा का असर भी साफ दिखता है।

यह सत्य भी अपनी जगह है कि हिंदी पत्रकारिता ने देश की आजादी और राष्ट्र निर्माण दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आजादी की लड़ाई का वास्तविक प्रतिबिंब भी हिंदी पत्रकारिता में दिखता है। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी से लेकर गणेशशंकर विद्यार्थी जैसी पत्रकार परंपरा हिंदी में रही है।

लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, विनोबा भावे, काका कालेलकर. कविगुरु रवींद्रनाथ टैगौर और सी राजगोपालाचारी जैसे अहिंदीभाषी मनीषियों ने हिंदी के पक्ष में पैरवी की। गांधीजी ने स्वाधीनता आंदोलन को लोकप्रिय और व्यापक बनाने में हिंदी का आश्रय लिया और गैर हिंदी इलाकों में हिंदी का प्रचार किया। नवजागरण काल में अहिंदी भाषी विद्वानों ने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की पैरवी की। यह दुख की बात है कि आजादी के इतने सालों बाद भी हिंदी पत्रकारिता एकमत होकर मानक शब्दों पर सहमति तक नहीं बना सकी है। इसके अभाव में हिंदी का पाठक भ्रम का शिकार बनता है। दुनिया के तमाम शहरों और विश्व नेताओं के नाम हिंदी के ही अखबारों में अलग-अलग छपते हैं।

भारत सरकार औ? राज्यों में राजभाषा विभाग का व्यवस्थित तंत्र होने के बाद भी अधिकतर प्रेस नोट अंग्रेजी में जारी होते हैं। हिंदी और दूसरे भारतीय भाषाओं के पत्रकारों को उनका अनुवाद करना पड़ता है। कई अखबारों में विशेषज्ञों के लिखे अंग्रेजी आलेखों का कभी कभार अनुवाद की बात तो समझ में आती है, पर कुछ जगहों पर यह नियमित आयोजन सा दिखता है।

बेशक हिंदी पत्रकारिता अंग्रेजी जैसी नहीं है। अंग्रेजी के पास वैश्विक फलक है। विराट आकाश है। उससे तुलना लायक बनाने के लिए हिंदी को कम से कम बहुत से अवरोधों को दूर करना होगा। केवल प्रसार मात्र से संतोष करना उचित नही है। तेजी से बदल रही दुनिया के बीच हिंदी पत्रकारों को दूसरी भारतीय भाषाई भाषाओं की शक्ति और आपसी तालमेल से मौजूदा तस्वीर को बदला जा सकता है।

बेशक खबरों की खरीद-फरोख्त के धंधों से लेकर तमाम विकृतियों ने हिंदी और अन्य भाषाओं को आहत किया है। लेकिन इसके अपवाद भी मौजूद हैं और विरोध करने वाले भी। संपादक की संस्था कई जगह नहीं है, पर जिन जगहों पर है, वहां उसका असर साफ दिखता है। समग्र रूप में हिंदी पत्रकारिता की हैसियत और गुणवत्ता के विस्तार के लिए हिंदी जगत को नए सिरे से नए तेवर और कलेवर के साथ बहुत कुछ श्रम करने की जरूरत है। ज्ञान विज्ञान से लेकर साहित्य और खेती तक बहुत कुछ कमजोरियां दूर करने की जरूरत है।

अलग हुए ट्रंप और मस्क

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और उनके प्रशासन में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) अर्थात प्रशासनिक दक्षता विभाग के मुखिया एलन मस्क ने अपने पद को छोड़ने का ऐलान कर दिया है। वैसे भी इस पद पर उनकी नियुक्ति मई के आखिरी तक ही थी, क्योंकि उन्हें 'विशेष सरकारी कर्मचारी' का दर्जा मिला था जिसके तहत हर साल 130 दिनों तक उन्हें संघीय नौकरी में रहने की इजाजत थी। मस्क चाहते तो इस साल की मियाद पूरी कर, अगले साल फिर से इस विशिष्ट सरकारी नौकरी में आने की घोषणा कर सकते थे।

पाठकों को याद होगा कि जब ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी तो किस तरह एलन मस्क ने लगभग झूमते हुए, छोटे बच्चे को कंधों पर बिठाकर उनके सत्ता में लौटने पर खुशी का इजहार किया था। इसके बाद कई अवसरों पर मस्क अपने बच्चे के साथ ट्रंप के साथ नजर आए, यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति के ओवल ऑफिस में भी जूनियर मस्क ने ट्रंप को यह कह दिया था कि ये मेरे पापा का ऑफिस है। लेकिन हाल की कुछ घटनाओं में सामने आया कि डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के परस्पर संबंधों में कुछ तनाव बढ़ा है। और पहले जैसी गर्मजोशी और शायद विश्वास की बात अब नहीं रही, इसलिए ट्रंप से मस्क ने किनारा कर लिया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मस्क ने लिखा, 'विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में मेरा तय समय पूरा होने पर, मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे फालतू खर्च को कम करने का मौका दिया।'

बताया जा रहा है कि पिछले हफ्ते ट्रंप प्रशासन द्वारा लाए बजट विधेयक में मस्क को खामियां दिखी थीं, जिसका खुला इजहार उन्होंने किया था। बहुत कम अंतर के साथ यूएस हाउस ऑफ रेप्रेजेंटेटिव्स ने बजट विधेयक पास किया है, अब यह सीनेट के पास जाएगा। इस विधेयक पर मस्क की राय थी कि इससे संघीय घाटा बढ़ेगा। मस्क के मुताबिक ये विधेयक डीओजीई में किए जा रहे 'कामों को कमजोर' करता है। जबकि इस बजट विधेयक को ट्रंप ने 'बड़ा और सुंदर' बताया था, इस पर मस्क ने कहा था, 'यह बिल बड़ा या सुंदर हो सकता है? मुझे नहीं पता कि ये दोनों हो सकता है।' दरअसल विधेयक में चार ट्रिलियन डॉलर के कर्ज की सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव है जिसका मतलब है कि अपने खर्चों के लिए सरकार अधिक कर्ज ले सकती है, मस्क इससे असहमत हैं। उनके इस बयान के बाद से ही लगने लगा था कि ट्रंप प्रशासन और एलन मस्क के बीच दूरियां बढ़ने लगी हैं। लेकिन ये अकेला मामला नहीं है। जिस तरह से मस्क ट्रंप प्रशासन पर हावी हो रहे थे, उससे दूसरे मंत्रियों को उलझन होने लगी थी। खासकर कर्मियों की छंटनी और खर्च कम करने को लेकर मस्क दूसरे मंत्रियों से उलझते रहे। मस्क ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो पर विदेश विभाग में पर्याप्त स्टाफ की कटौती करने में विफल रहने का आरोप लगाया। इसी तरह एलन मस्क की परिवहन मंत्री सीन डफी के साथ भी बहस हुई क्योंकि डीओजीई ने फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन में ट्रैफिक कंट्रोलर्स की संख्या कम करने की कोशिश की, जबकि उनकी संख्या पहले से ही कम है।

इस तरह के वाकयों के बाद ट्रंप को डीओजीआई की शक्तियों को परिभाषित करना पड़ा। ट्रंप ने साफ कर दिया कि अब से फैसला लेने का काम मंत्रियों के पास ही होगा और मस्क की टीम का काम सिफ सलाह देना होगा। ये सीधे-सीधे मस्क को मिली व्यापक शक्तियों को कम करने का कदम था। दरअसल डीओजीआई में मस्क की मनमानी दिखने लगी थी, चाहे विवेक रामास्वामी को बाहर करना हो या देश के लाखों संघीय कर्मचारियों को आधिकारिक सरकारी अकाउंट ईमेल भेज कर पेशकश करना कि उन्हें इस्तीफे. के बदले कई महीनों का वेतन (एकमुश्त रकम) दिया जाएगा।

डीओजीआई की तरफ से कर्मचारियों को यह भी निर्देश गया कि वह बताएं कि उन्होंने सप्ताहभर में क्या काम किया। ऐसा न करने पर उन्हें नौकरी से निकालने की बात की गई थी। डीओजीई ने कई ऐसे नवनियुक्त सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त करने का भी आदेश दिया, जो प्रोबेशन पर थे और जिन्हें पूर्ण सिविल सेवा सुरक्षा नहीं मिली थी। हालांकि ऐसे आदेशों को कुछ सरकारी एजेंसियों ने मानने से इंकार कर दिया था, क्योंकि उन्हें कर्मचारियों की जरूरत है।

मस्क को साथ जोड़ने पर ट्रंप प्रशासन को बड़ा नुकसान तब भी हुआ जब अमेरिकी सरकार की प्रमुख विदेशी सहायता एजेंसी यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डिवेलपमेंट (यूएसएड) को बंद करके उसे विदेश मंत्रालय में शामिल करने ऐलान किया गया। मस्क तो सीधे तौर पर यूएसएड को 'एक आपराधिक संगठन' और 'कट्टर वामपंथी राजनीतिक मनोवैज्ञानिक अभियान' मानते हैं। लेकिन उनकी निजी राय ने बरसों से अमेरिका की इस कूटनीतिक पहल को नुकसान पहुंचाया। क्योंकि यूएस एड दुनिया भर में अरबों डॉलर की मदद बांटती है, खास तौर पर विकासशील देशों में इसकी मदद से चल रहे स्वास्थ्य और पोषण से जुड़े कई कार्यक्रमों के बंद होने का खतरा दिखने लगा।

दरअसल लोकतंत्र में व्यापारी की मानसिकता से फैसले नहीं लिए जा सकते, क्योंकि बहुत से जनहित कार्यक्रमों में मुनाफे की परिभाषा बदल जाती है। हर जगह वित्तीय लाभ-हानि का गणित नहीं बिठाया जा सकता। लेकिन एलन मस्क की तो असल पहचान एक उद्योगपति के तौर पर ही है, जिन्होंने स्पेसएक्स और टेस्ला जैसे उद्यम खड़े किए।

गुरु अर्जन देव के विचारों में जीवन-दर्शन की झलक

गुरु परंपरा की महिमा अपार है। भारतीय सनातन संस्कृति में गुरु का स्थान अत्यंत पूज्य माना गया है। इसी गौरवशाली परंपरा में सिख धर्म के पंचम गुरु अर्जन देव जी का स्थान विशिष्ट है। 30 मई को उनका शहीद दिवस है। उनके विचारों में संपूर्ण जीवन-दर्शन की झलक है। उन्होंने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से संपूर्ण मानव जाति को सत्य, सेवा और समर्पण का मार्ग दिखाया। गुरु अर्जन देव न केवल धार्मिक संत, बल्कि महान समाज सुधारक, कुशल संगठक और ज्ञान के अद्वितीय स्रोत थे। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मानवता की सर्वोच्चता को महत्व दिया। वे सभी धर्मों का सम्मान करते थे और बिना किसी भेदभाव के सभी की सहायता और सेवा करते थे। उनके पास दूर-दूर से विभिन्न धर्मों और आस्थाओं के लोग ज्ञान, शांति और मार्गदर्शन की खोज के लिए पहुंचते थे। एक बार एक श्रद्धालु उनके पास पहुंचा और अत्यंत भावुक होकर कहने लगा कि गुरुजी, आपकी संगति में रहकर मैंने जीवन का सच्चा मार्ग जाना है। अब मैं लड़ाई-झगड़ों से दूर रहता हूं, सत्य के मार्ग पर चलता हूं और लोगों से प्रेम करता हूं, इसीलिए अब लोग भी मुझसे स्नेह करने लगे हैं। पहले कोई मेरा चेहरा तक नहीं देखना चाहता था लेकिन अब सभी मुझसे स्नेहपूर्वक मिलते हैं। यह सुनकर गुरु अर्जन देव मुस्कराए और बोले कि यदि समस्त मानव जाति इस सत्य का बोध कर ले तो यह संसार स्वर्ग बन जाएगा। उस श्रद्धालु ने स्वर्ण मुद्राओं से भरी एक थैली निकालकर गुरु जी की ओर बढ़ाई और आग्रहपूर्वक कहा कि मैं आपको यह भेंट देना चाहता हूं। उन्होंने विनम्रतापूर्वक स्वर्ण मुद्राएं लेने से मना कर दिया और कहा कि ज्ञान अनमोल होता है, उसका कोई मूल्य नहीं होता। यह निःस्वार्थ और निःशुल्क दिया जाता है। श्रद्धालु ने फिर भी आग्रह किया कि यह ज्ञान की कीमत नहीं बल्कि उसकी श्रद्धा का प्रतीक है। इस पर गुरु अर्जन देव ने कहा कि यदि तुम सचमुच कुछ देना ही चाहते हो तो इस ज्ञान को दुनिया में बांटो क्योंकि ज्ञान प्रसाद की भांति होता है और इसका वितरण ही इसकी सच्ची पूजा है। श्रद्धालु यह सुनकर भावविभोर हो गया और गुरु जी के चरणों में नतमस्तक होकर बोला कि आज आपने मुझे जीवन का सबसे बड़ा सत्य बता दिया। गुरु अर्जन देव का जीवन अनेक शिक्षाप्रद प्रसंगों से भरा है। एक बार बाला और कृष्णा नामक दो पंडित गुरु अर्जन देव के पास आए और बोले कि महाराज! हम कथा सुनाकर दूसरों को आत्मिक शांति तो देते हैं लेकिन स्वयं हमारे मन को शांति नहीं मिलती। हम क्या करें? गुरु अर्जन देव ने उन्हें बहुत सरल लेकिन गहन उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि जब तक तुम कथा वाचन को धन प्राप्ति का माध्यम समझकर करते रहोगे, तब तक तुम्हारा मन कभी शांत नहीं हो सकता। जब तक कर्म में निष्काम भाव नहीं होगा, तब तक आत्मिक शांति मिलना असंभव है। उन्होंने पंडितों से कहा कि कथा करते समय अपने मन को शुद्ध करो, कथा को परमात्मा की उपस्थिति में किया गया एक पवित्र कार्य मानो और जो उपदेश दूसरों को देते हो, उसे स्वयं भी जीवन में उतारो। यही वह मार्ग है, जिससे तुम्हारा चंचल और अशांत मन भी सच्ची शांति का अनुभव करेगा।

गुरु अर्जन देव के ये उपदेश आज भी सार्थक और मूल्यवान हैं। गुरु अर्जन देव केवल उपदेशक नहीं थे बल्कि उन्होंने अपने जीवन में हर उस आदर्श को जिया, जो वे दूसरों को सिखाते थे। उन्होंने सेवा, विनम्रता और त्याग की ऐसी मिसाल पेश की, जो युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगी। आज के यांत्रिक और आत्मकेंद्रित युग में जहां मानवता हाशिये पर पहुंच गई है और लोग मानसिक अशांति से जूझ रहे हैं।

अमेरिका की छात्र वीजा पर रोक

किशन सनमुखदास

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ का हर देश यह महसूस कर रहा है कि, डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति चुने जाने से वे अपने चुनाव प्रचार में किए गए वादों को पूर्ण करने में तेजी से जुटे हुए हैं,अगर हम ट्रंप के चुनावी प्रचार की करीब-करीब हर सभा को देखें तो उसमें उन्होंने अमेरिकी फर्स्ट, टैरिफ, यूक्रेन-रूस युद्ध विराम, हमास-इजरायल युद्ध विराम सहित अनेको ऐसे वादे किए थे जो अमेरिका को फिर नंबर वन पर लाने में सहायक सिद्ध होंगे। पूरी दुनियाँ देख रही है कि ट्रंप अपने किए गए वादों को, एक के बाद एक पूरा करते हुए चले जा रहे हैं। इसी कड़ी में नए स्टूडेंट्स के लिए अमेरिका वीजा रोकने का फैसला भी देखा जा रहा है। मेरा मानना है कि अगर विदेशी छात्रों को अमेरिका पढ़ने के लिए आने के लिए रोकेंगे तो,स्थानीय छात्रों को अधिक मौका मिलेगा जिससे अमेरिका फर्स्ट का वादा पूरा होगा। दूसरे एंगल से अगर हम देखें तो हमने कई मौका पर अनेक विवादों में अमेरिका में पढ़ने आए विदेशी छात्रों द्वारा दूतावासों पर जाकर प्रदर्शन आंदोलन कर माहौल खराब करने की कोशिश की जाती है, जिसका संज्ञान शायद ट्रंप साहब ने लिया होगा। कुल मिलाकर इस फैसले से आंदोलनप्रदर्शन आतंकवाद समर्थन पर रोक तथा अमरीक फर्स्ट दोनों लक्ष्यों का आभास होता है, हालांकि यह रोक टेंपवरी है जब इसे कंटिन्यू किया जाएगा तो, वीजा की चाहना रखने वाले छात्रों को सोशल मीडिया के हर प्लेटफार्म पर 2019 से अपने रिकार्ड को दिखाने की शर्त हो सकती है,जो रेखांकित करने वाली बात है।चूँकि अमेरिका ने दुनियाँ भर में अपने दूतावासों पर नए स्टूडेंट वीजा के लिए इंटरव्यू पर रोक लगाई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अमेरिका में छात्र वीजा पर रोक आतंकवादी या कट्टरपंथी संगठनों के छात्र बहरूपिया में आने से रोकना?

दक्षिण कोरिया में नौसेना का विमान पहाड़ से टकराया, चालक दल के सभी सदस्य मारे गए, अब तक चार शव बरामद

सियोल। दक्षिण कोरिया में नौसेना का एक विमान प्रशिक्षण के दौरान पहाड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हुए इस हादसे में चालक दल के सभी सदस्य मारे गए। सैन्य अधिकारियों ने इस दुर्घटना का खुलासा किया। उन्होंने हताहत चालक दल के सदस्यों की संख्या कितनी है, यह साफ नहीं किया। मगर इसकी पुष्टि की कि अब तक चार सदस्यों के शव बरामद किए गए हैं। रूस की समाचार एजेंसी ने दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप के हवाले से यह जानकारी जानकारी दी। खबर के अनुसार यह हादसा पोहांग में हुआ। दुर्घटनाग्रस्त विमान पी-3 ओरियन है। शवों को पहचान के लिए पोहांग के नौसेना अस्पताल ले जाया जाएगा। दक्षिण कोरिया में वर्तमान में आठ पी-3 ओरियन विमान परिचालन में हैं। पोहांग और जेजू में नौसेना इकाइयां इनका उपयोग करती हैं। द कोरिया हेराल्ड अखबार के अनुसार नौसेना संचालन के उप प्रमुख की अध्यक्षता में एक विशेष कार्य बल का गठन किया है। पी-3 विमानों से जुड़े सभी अभ्यास और उड़ान अभियान को निलंबित कर दिया गया है। नौसेना ने कहा कि पी-3 गश्ती विमान दोपहर 1:43 बजे के बाद नौसैनिक अड्डे के पास एक क्षेत्र में पहाड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान हुआ।

मेक्सिको में नेशनल गार्ड के आठ जवान सुरंग विस्फोट में मारे गए

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के मिचोआकेन के पास सांता मारिया डेल ओरो में सुरंग में हुए विस्फोट में नेशनल गार्ड को बड़ी क्षति हुई है। मंगलवार को हुए इस विस्फोट नेशनल गार्ड के आठ जवान मारे गए। यह सभी अन्य अधिकारियों और जवानों के साथ सेना के बख्तरबंद ट्रक से आपराधिक समूहों के ठिकानों पर दबिश देने जा रहे थे। मेक्सिको डेली न्यूज अखबार के अनुसार संघीय अधिकारियों का कहना है कि बारूदी सुरंग में हुए विस्फोट में एक बख्तरबंद सामरिक ट्रक चपेट में आ गया। इस विस्फोट में छह जवान मौके पर अपने जीवन से हाथ धो बैठे। घायल दो जवानों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। । सैन्य अधिकारियों के अनुसार,यह अब तक का सबसे घातक विस्फोट है। देश में ऐसी सुरंगों का इस्तेमाल आपराधिक समूह सीजेएनजी और कार्टेल्स यूनिडोस (यूनाइटेड कार्टेल) एक-दूसरे के खिलाफ कर रहे हैं। नेशनल गार्ड को जलिस्को के सांता मारिया डेल ओरो नगरपालिका क्षेत्र में सीजेएनजी के संचालन और प्रशिक्षण केंद्र को नष्ट करने के लिए भेजा गया था।

यूक्रेन के मारियुपोल में रूस के एयर कमांडर की ग्रेनेड हमले में मौत

मॉस्को। मॉस्को और कीव की लड़ाई के बीच यूक्रेन के मारियुपोल शहर में रूस के युवा एयर कमांडर की जान चली गई। रूस ने उन्हें मारियुपोल की हवाई घेराबंदी का प्रमुख कमांडर बनाकर भेजा था। 34 वर्ष की आयु में ग्रेनेड हमले में मारे गए जौर गुरत्सियेव पूर्व रक्षा अधिकारी हैं। सितंबर 2024 में जौर गुरत्सियेव को स्टावरोपोल का पहला डिप्टी मेयर निर्वाचित किया गया था। मारियुपोल दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क ओब्लास्ट में स्थित है। यह आजोव सागर के उत्तरी तट पर काल्मियस नदी के मुहाने पर है। यह एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र और आजोव सागर पर एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर है। द मॉस्को टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार स्टावरोपोल के मेयर इवान उल्यानचेंको ने अपने पहले डिप्टी मेजर जौर गुरत्सियेव की मौत की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि इस हमले में यूक्रेन का हाथ होने की आशंका है। रूस की जांच समिति की स्थानीय शाखा ने कहा कि हमले में दो लोग मारे गए हैं। इनमें गुरत्सियेव का एक 29 वर्षीय परिचित भी है। जांच समिति के प्रमुख अलेक्जेंडर बास्ट्रीकिन ने क्षेत्रीय अधिकारियों से ग्रेनेड हमले की जांच रिपोर्ट तलब की है।

ड्रग तस्कर के साथ समझौते पर स्थिति स्पष्ट करे अमेरिकी सरकार: मेक्सिको

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने दामासो लोपेज़ सेरानो के साथ किये गये याचिका समझौते को लेकर अमेरिकी सरकार से सवाल किया है। गौरतलब है कि दामासो लोपेज़ सेरानो एक ऐसे कार्टेल (एक ऐसा संगठन जहां दो या दो से अधिक कंपनियां, उत्पादक या सेवा प्रदाता एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने के बजाय अपने लाभ को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करते हैं।) का सदस्य है, जिसे अमेरिका ने खुद 'विदेशी आतंकवादी संगठन' करार दिया है। सुश्री शिनबाम ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए इस संबंध में अमेरिकी सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

उन्होंने कहा, अमेरिका सरकार ने हाल ही में एक आदेश जारी किया था, जिसमें कुछ संगठनों को आतंकवादी संगठन कहा गया है। उन्होंने कई मौकों पर कहा है कि वे इन संगठनों के साथ बातचीत नहीं करते हैं। अब उन्हें यह बताने की जरूरत है कि इन मामलों में समझौते क्यों किए जाते हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी अधिकारियों ने दामासो लोपेज़ सेरानो उर्फ 'एल मिनी लिक' के साथ एक याचिका समझौता किया है, जिसके तहत सेरानो ने अमेरिकी अदालत में ड्रग तस्करी के आरोपों में दोषी होने की दलील दी।

अमेरिकी युद्धविराम प्रस्ताव फिलिस्तीनी मांगों पर खरा नहीं : हमास

एजेंसी

गाजा । हमास के एक वरिष्ठ नेता ने कहा है कि गाजा पट्टी में युद्ध रोकने के लिए अमेरिका का जो प्रस्ताव आया है, उस पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, यह प्रस्ताव हमास और फिलिस्तीनी लोगों की मुख्य मांगों को पूरा नहीं करता।

समाचार एजेंसी के मुताबिक, हमास के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य बासम नईम ने एक बयान में कहा कि उन्हें अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ द्वारा पिछले हफ्ते दिए गए युद्धविराम प्रस्ताव पर इजरायल की प्रतिक्रिया मिल गई है। नईम के मुताबिक, इजरायल ने फिलिस्तीन की मुख्य मांगों को नहीं माना। इनमें लड़ाई को पूरी तरह खत्म करना और गाजा

पर लगी पुरानी नाकेबंदी हटाना शामिल है। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव युद्धविराम के दौरान भी इजरायल के कब्जे और लोगों की तकलीफों को जारी रहने देगा। नईम ने कहा, इसके बावजूद हमास का नेतृत्व फिलिस्तीनी जनता के खिलाफ जारी हिंसा और मानवीय संकट को ध्यान में रखते हुए जिम्मेदारी के साथ इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। हमास ने पहले कहा था कि उसे मध्यस्थों के जरिए नया युद्धविराम प्रस्ताव मिला है। वह इसका मूल्यांकन इस तरह कर रहा है कि यह फिलिस्तीनी लोगों के हितों की रक्षा करे और गाजा के लोगों के लिए स्थायी शांति और राहत लाने में मदद करे।हमास ने पहले कहा था कि वह विटकॉफ के साथ एक समझौते के सामान्य ढांचे पर सहमत हो गया है। इस समझौते का मकसद स्थायी युद्धविराम करना, इजरायल की गाजा से पूरी तरह वापसी सुनिश्चित करना, राहत सामग्री की आपूर्ति शुरू करना और हमास से एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी समिति को सत्ता सौंपना है।

दगाबाज पाकिस्तान में पलते हैं आतंकी शैतान, भारत से सच जानकर दुनिया हैरान, कहा-हम लडाई में साथ

एजेंसी

बोगोटा। भारत दुनिया के अपने प्रमुख साझेदार देशों को पाकिस्तान पोषित आतंकवाद के रूपों से परिचित करा रहा है। भारतीय संससदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के नेता और सदस्य वैश्विक नेताओं के यह समझाने में कामयाब रहे कि पाकिस्तान की किसी भी बात पर भरोसा नहीं किया जा सकता। वह अपने यहां आतंकवादियों को पाल-पोस कर बड़ा करता है। उन्हें असलाह और अकूत धन देकर सेना के माध्यम से सीमा पार करवा भारत भेजता है। भारत में घुसे यह शैतान भोले-भाले लोगों के दिमाग में जहर भरकर उन्हें अपने जाल में फांस लेते हैं। भारत के सामरिक केंद्रों, प्रमुख शहरों, सैनिकों और नागरिकों पर घात लगाकर हमले करते और करवाते हैं। भारतीय संससदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल अब तक जितने भी देशों में पहुंचा है, वहां की सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साथ देने का वादा किया है। हां, कोलंबिया के रुख से कुछ निराशा जरूर हुई। बोगोटा में प्रतिनिधिमंडल के समूह 5 का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हम कोलंबिया को यह समझाने में कामयाब रहे कि आतंकवादियों को भेजने वालों और उनका विरोध करने वालों के बीच कोई समानता नहीं हो सकती। भारत केवल आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग कर रहा है। पाकिस्तान ने पहलगाम में आतंकियों से नरसंहार करवा कर समूची मानवता का कत्ल किया है। कोलंबिया ने भी आतंकवादी हमलों को झेला है।

अमेरिका का दावा, इजरायल ने गाजा में अस्थायी युद्धविराम प्रस्ताव स्वीकार किया

एजेंसी

वाशिंगटन । व्हाइट हाउस ने कहा कि इजरायल ने 60 दिन के गाजा युद्धविराम प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिया है। इस बीच, इजरायली सेना की ओर से युद्ध ग्रस्त क्षेत्र में सैन्य कार्रवाई जारी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक प्रेस ब्रीफिंग में पुष्टि की कि मध्य पूर्व के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हमास को युद्ध विराम का प्रस्ताव सौंपा, जिसका इजरायल ने समर्थन किया।

लेविट ने कहा, इजरायल ने हमास को भेजे जाने से पहले ही इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए थे। मैं यह भी पुष्टि कर सकता हूं कि ये चर्चाएं जारी हैं, और हमें उम्मीद है कि गाजा में युद्ध विराम हो जाएगा ताकि हम सभी बंधकों को वापस उनके घर भेज सकें।

उन्होंने कहा, मैं इस पर और कोई टिप्पणी नहीं करूंगी, क्योंकि हम अभी इसी दौर से गुजर रहे हैं। समाचार एजेंसी ने सीबीएस न्यूज के

हवाले से बताया कि एक इजरायली अधिकारी और मामले से परिचित एक अमेरिकी सूत्र ने पुष्टि की है कि प्रस्तावित समझौते में न केवल 60 दिन का युद्धविराम शामिल है, बल्कि 10 जीवित बंधकों और 18 मृत बंधकों के अवशेषों को सौंपने की योजना भी शामिल है।

हमास ने कहा कि उसके नेतृत्व को मध्यस्थों के माध्यम से विटकॉफ से गाजा में नए युद्धविराम का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और वे उसका अध्ययन कर रहे हैं।

हमास ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, हमास नेतृत्व को मध्यस्थों से विटकॉफ का नया प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और हम जिम्मेदारी से इसका अध्ययन कर रहे हैं, जिससे हमारे लोगों के हितों की पूर्ति हो, राहत मिले और गाजा पट्टी में स्थायी युद्ध विराम हो सके।

राजतंत्र वापसी की मांग को लेकर काठमांडू में दूसरे दिन भी प्रदर्शन

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में राजतंत्र की पुनर्स्थापना को लेकर शुरू हुआ प्रदर्शन आज दूसरे दिन भी जारी है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के नेतृत्व में काठमांडू के माइतीघर में प्रदर्शन किया गया। गणतंत्र दिवस के दिन से ही देश में गणतंत्र व्यवस्था के विरोध में आरपीपी का अनिश्चितकालीन प्रदर्शन शुरू हुआ है। काठमांडू के रत्नपार्क में हुआ था। आज यह प्रदर्शन माइतीघर में हो रहा है। इस प्रदर्शन आरपीपी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन सहित सभी बड़े नेता सहभागी हो रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान लोग राजसंस्था की पुनर्बहाली और हिन्दू राष्ट्र घोषित करने को लेकर नाराबाजी कर रहे हैं। प्रदर्शन के कारण उस क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था पर प्रभाव पड़ा है। जिला प्रशासन ने प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। गुरुवार के प्रदर्शन में 10 हजार से अधिक समर्थकों के उपस्थिति से राजतंत्र समर्थक काफी उत्साहित हैं। वहीं इनके प्रदर्शन के विरोध में सत्तारूढ़ दल नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के तरफ से भी उसी स्थान पर, लेकिन अलग समय में प्रदर्शन किया गया, जिसमें

महज कुछ सौ लोग ही मौजूद थे। इसे लेकर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने राजतंत्र समर्थकों के प्रदर्शन का विरोध करने के लिए एक सार्वजनिक अपील की थी। पूरी पार्टी ने काठमांडू की सड़कों पर अपने समर्थक उतरने के लिए जोड़ लगाया, लेकिन राजा समर्थकों की भीड़ के आगे सतारूढ़ दल के नेताओं की एक न चल पाई। आरपीपी की प्रवक्ता खुशबू ओली ने कहा कि सतारूढ़ दल के तरफ से भिड़ंत करने की पूरी तैयारी थी, लेकिन हमारी संख्या के आगे वो टिक नहीं पाए और खुद ही सड़क छोड़ कर चले गए। उनका कहना है कि शुक्रवार के प्रदर्शन के दौरान कल से भी अधिक भीड़ जमा होने वाली है।

बांग्लादेश के कुआकाटा मरीन ड्राइव में उठी ऊंची लहरें, बाल-बाल बचे पर्यटक

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के पटुआखली जिले के कुआकाटा मरीन ड्राइव में उठी ऊंची लहरों ने काफी नुकसान पहुंचाया है। इस दौरान मौजूद पर्यटक बाल-बाल बचे। हाल में बनवाई गई सड़क का काफी लंबा हिस्सा ध्वंस गया। कुआकाटा मरीन ड्राइव में बुधवार को दहशतभरी इस घटना की सूचना राजधानी में आज पहुंची। कुआकाटा देश के सबसे दक्षिणी छोर पर है। स्थानीय रूप से सागर कन्या (समुद्र की बेटी) के नाम से प्रसिद्ध यह स्थान दुर्लभ प्राकृतिक सौंदर्य स्थल है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की वेबसाइट में आज प्रसारित खबर में बताया गया है कि कुआकाटा में मरीन ड्राइव नवनिर्मित सड़क उद्घाटन से पहले ही उठी समुद्री लहरों को झेल नहीं पाई। लगभग 4.86 करोड़ टका की लागत से बनवाई गई दो

किलोमीटर लंबी सड़क सुबह करीब 10 बजे कई जगह ध्वंस गई। जीरो पॉइंट और सड़क के पूर्वी छोर के बीच कई हिस्से ध्वंस जाने से आसपास के कई प्रतिष्ठान जलमग्न हो गए। इनमें एक पुलिस बॉक्स, सरदार मार्केट और फुचका मार्केट के नाम से मशहूर स्ट्रीट फूड हब शामिल है। पर्यटक पुलिस और स्थानीय स्वयंसेवकों ने लाउड स्पीकर का इस्तेमाल करके पर्यटकों को सुरक्षित इलाकों में पहुंचाया। स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण में घटिया सामग्री इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। यहां रहने वाले अबुल बशर ने चेतावनी दी है कि मानसून आते ही समुद्रीय हलचल खतरनाक हो जाएगी। अगर जल्द कुछ नहीं किया गया तो नुकसान और भी बढ़ सकता है। यह सड़क कुआकाटा नगर पालिका परियोजना का हिस्सा थी। इसे 2024 में पर्यटन को बढ़ावा देने और सुंदर तटरेखा की सुरक्षा के लिए शुरू किया गया था। मोबाइल फोन पर बार-बार प्रयास करने के बावजूद कुआकाटा नगर पालिका प्रशासक यासीन सादी से संपर्क नहीं हो सका। बांग्लादेश मौसम विज्ञान विभाग ने पहले बंगाल की खाड़ी को पार करने वाले गहरे दबाव के कारण दो से चार फीट की लहरों की चेतावनी जारी की है।

नेपाल के पूर्व मंत्री एवं सांसद 23 लोगों को जिंदा जलाने के मामले में हाई कोर्ट से बरी, जेल से रिहा

एजेंसी

काठमांडू। बम बनाने के दौरान घायल हुए 23 लोगों को ईंटे की जलती हुई भट्टी में जिंदा जला देने के संगीन आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे नेपाली कांग्रेस के पूर्व सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री मोहम्मद आफताब आलम को जनकपुर हाई कोर्ट की बीरगंज पीठ ने बरी कर दिया है। हाई कोर्ट का आदेश आते ही आलम को काठमांडू जेल से रिहा कर दिया गया। दरअसल, आरोप है कि नेपाल में 28 मई, 2008 को हुए चुनाव के दौरान रौतहट से नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार मोहम्मद आफताब आलम ने मतदाताओं को डराने और मतदान केंद्रों पर कब्जा करने के लिए बम तैयार करने के लिए अपने घर पर कार्यकर्ताओं को काम पर रखा था। रात में वहीं पर बम विस्फोट हुआ, जिसमें त्रिलोक प्रताप सिंह (उर्फ पिंटू) और ओसी अख्तर मिया सहित 21 भारतीय मजदूर घायल हो गए। इस घटना को छिपाने के लिए और बम बनाने के सबूत को नष्ट करने के लिए आलम ने घायलों सहित 23 लोगों को जिंदा जलाने का आदेश दिया। शवों को ईंट भट्टे की चिमनी में फेंक दिया गया था। तीन साल तक मुकदमा चलने के बाद 2022 में में रौतहट जिला न्यायालय ने आलम और उसके भाई सहित चार अन्य लोगों को दोषी ठहराया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जनकपुर हाई कोर्ट की बीरगंज पीठ ने बुधवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाने के जिला न्यायालय के फैसले को पलट दिया।

ट्रंप का टैरिफ बहाल, ट्रेड कोर्ट के फैसले पर संघीय अपील न्यायालय ने रोक लगाई

एजेंसी

वाशिंगटन। वाशिंगटन डीसी की एक संघीय अपील न्यायालय ने यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड के तीन जजों के पैनल के फैसले पर रोक लगा दी। संघीय अपील न्यायालय के आदेश से ट्रंप के प्रशासन को फिलहाल राहत मिल गई। तीन जजों के पैनल ने ट्रंप को झटका देते हुए उनके कुछ देशों के खिलाफ लगाए गए अत्यधिक टैरिफ को रोक दिया था। फैसले में कहा गया था कि राष्ट्रपति ने संघीय कानून के तहत इस तरह का टैरिफ जारी करने में अपने अधिकारों का अतिक्रमण किया। यह टैरिफ अवैध है। सीबीएस न्यूज की खबर के अनुसार, संघीय अपील न्यायालय ने राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापक टैरिफ के अधिकांश भाग को अवरुद्ध करने वाले फैसले को अस्थायी रूप से रोकते हुए आपातकालीन शक्तियों के

कानून के तहत लगाए टैरिफ को फिलहाल बहाल कर दिया। संघीय सर्किट के लिए यूएस अपील न्यायालय ने संक्षिप्त आदेश जारी किया। न्याय विभाग ने तीन जजों के पैनल के फैसले के खिलाफ संघीय अपील न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। ट्रंप प्रशासन ने 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्ति अधिनियम का हवाला देते हुए टैरिफ को उचित ठहराया था। मगर जजों के पैनल ने इस तर्क को खारिज कर दिया था। ट्रंप प्रशासन ने कल ही संकेत दिया था कि वह इस फैसले को संघीय सर्किट अपील न्यायालय में चुनौती देगा। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने टैरिफ के कारणों का बचाव करते हुए फैसले पर प्रतिक्रिया दी थी कि अन्य देशों के साथ अमेरिका के व्यापार घाटे ने राष्ट्रीय आपातकाल पैदा कर दिया है। इससे अमेरिकी समुदाय को काफी नुकसान हुआ है। देसाई ने कहा था कि इन जजों को यह तय नहीं करना चाहिए कि राष्ट्रीय आपातकाल को कैसे ठीक से परिभाषित किया जाए। राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका को प्राथमिकता देने का वचन दिया है। वह इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। टैरिफ ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के एजेंडे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

न्यूयॉर्क में 9/11आतंकी हमले के नायक पूर्व पुलिस कमिश्नर बर्नार्ड केरिक का 69 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में 9/11(11 सितंबर, 2001) के आतंकवादी हमले के समय के नायक पूर्व पुलिस कमिश्नर बर्नार्ड बी. केरिक नहीं रहे। उन्होंने 69 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। उनके जीवन का कुछ हिस्सा विवादों में रहा। इस वजह से उन्हें जेल की हवा भी खानी पड़ी। उन्हें 11 सितंबर को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमलों के समय की गई जवाबी कार्रवाई के लिए नायक के रूप में सम्मानित किया गया। बाद में संघीय भ्रष्टाचार और कर अपराधों में दोषी ठहराए जाने के बाद उनकी प्रतिष्ठा पर आंच आई। द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने एक्स पोस्ट में केरिक की मृत्यु की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूर्व पुलिस अधिकारी कुछ समय से बीमार थे। कराटे में

ब्लैक बेल्ट, मुंडा सिर और उभरी हुई बाइसेप्स वाले एक आत्मविश्वासी हाई स्कूल ड्रॉपआउट, केरिक ने 1993 के मेयरल अभियान के दौरान गिउलिआनी के अंगरक्षक रहे। इसके बाद रुडोल्फ डब्ल्यू. गिउलिआनी के शिष्य के रूप में वरिष्ठ सार्वजनिक पदों पर पहुंचे।

साल अगस्त 2000 में उन्हें न्यूयॉर्क शहर का पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया। तब उनके पास कॉलेज की डिग्री नहीं थी। इस वजह से उनकी नियुक्ति के लिए प्रशासन की आलोचना भी हुी। बाद में उन्होंने 2002 में डिग्री हासिल की। केरिक की न्यूयॉर्क पर आतंकी हमले के समय की भूमिका से प्रभावित होकर महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने ब्रिटिश साम्राज्य के कमांडर के रूप में नियुक्ति दी। पुलिस विभाग से विदा होने के बाद केरिक ने पूर्व मेयर की फर्म गिउलियानी पार्टनर्स के लिए सुरक्षा सलाहकार के रूप में काम करके लाखों डॉलर कमाए।

पुर्तगाल के राष्ट्रपति डी सूसा ने मोंटेनेग्रो को प्रधानमंत्री के रूप में नामित किया

लिस्बन। पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा ने संसदीय दलों के साथ परामर्श के बाद लुइस मोंटेनेग्रो को प्रधानमंत्री के रूप में नामित कर दिया। डेमोक्रेटिक अलायंस (एडी) के नेता एवं सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (पीएसडी) के अध्यक्ष मोंटेनेग्रो को एडी गठबंधन द्वारा 18 मई को हुए संसदीय चुनाव में सबसे अधिक सीटें जीतने के बाद सरकार बनाने के लिए कहा गया था। गौरतलब है कि संसदीय चुनाव में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था।

अमेरिका के वाशिंगटन प्रांत में गोलीबारी, सात लोग घायल

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका में वाशिंगटन के टैकोमा के उपनगर हैरी टॉड पार्क में गोलीबारी में सात लोग घायल हो गये।पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ितों में से तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के मुताबिक बुधवार शाम हुयी गोलीबारी के समय पार्क में 100 से ज़्यादा लोग मौजूद थे। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि गोलीबारी में कितने लोग शामिल थे। साथ ही यह भी पता नहीं चल पाया है कि पीड़ितों को जानबूझकर निशाना बनाया गया था या नहीं। अभी तक कोई गिरफ़्तारी नहीं हुई है।

विपक्षी दलों ने मांगा नेपाल के गृहमंत्री का इस्तीफा, संसद नहीं चलने देने का फैसला

एजेंसी

काठमांडू। मानव तस्करी के आरोप में घिरे नेपाल के गृहमंत्री रमेश लेखक पर पद छोड़ने का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले तीन दिनों से संसद की कार्रवाई लगातार नहीं चलने देने वाले विपक्षी दलों ने एक बार फिर से कहा है कि जब तक गृह मंत्री का इस्तीफा नहीं हो जाता, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी।

संसद की कार्रवाई को सुचारु करने के लिए स्पीकर देवराज घिमिरे ने आज सभी दलों के प्रमुख सचेतकों की बैठक बुलाई थी। उन्होंने बजट पर चर्चा करने के लिए संसद की कार्रवाई को सुचारु करने का आग्रह सभी दलों से किया, लेकिन विपक्षी दलों ने एक स्वर में गृह मंत्री के इस्तीफा के बिना संसद की कार्यवाही नहीं चलने देने की बात दोहराई है।

माओवादी के प्रमुख सचेतक देव गुरूंग ने स्पीकर के साथ हुई बैठक के दौरान कहा कि विपक्षी दलों ने पहले ही इस बात की जानकारी कर दी थी कि सिर्फ बजट पेश करने के लिए ही संसद की कार्रवाई चलने दी जाएगी। उसके बाद जब तक गृहमंत्री का इस्तीफा नहीं आ जाता, तब तक यह कार्रवाई नहीं चलने दी जाएगी। माओवादी की तरह दूसरे राजनीतिक दल भी गृहमंत्री के इस्तीफा को लेकर अड़े हुए हैं। विपक्षी खेमे में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रमुख सचेतक संतोष परियार ने कहा कि गृहमंत्री का इस्तीफा ही हमारी मुख्य मांग है और जब तक यह इस्तीफा नहीं हो जाता, तब तक सदन की कार्रवाई नहीं चलने दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि जब गृह मंत्री विपक्षी बेंच में थे, तब वह ऐसे ही आरोप लगने पर तत्कालीन मंत्रियों का इस्तीफा मांगते थे और नैतिकता की बात करते थे। आज जब वह खुद मानव तस्करी जैसे गंभीर आरोप में घिरे हैं, तो उन्हें तत्काल नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। उधर सड़कों पर राजतंत्र की वापसी के लिए प्रदर्शन कर रही राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने भी गृहमंत्री के इस्तीफा की मांग पर विपक्षी दलों के निर्णय पर सहमति जताई है। आरपीपी के प्रमुख सचेतक ज्ञानेंद्र शाही ने कहा कि गृहमंत्री को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए और यदि वह ऐसा नहीं करते हैं तो प्रधानमंत्री को यह चाहिए कि उन्हें पद से बर्खास्त करें। जब तक गृहमंत्री की बर्खास्तगी नहीं हो जाती, तब तक सदन नहीं चलने दिया जाएगा और बजट पर भी कोई चर्चा नहीं होगी। नेपाल के गृहमंत्री रमेश लेखक के निजी सचिवालय में कार्यरत चार निजी सहायक और काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के इमिग्रेशन विभाग के प्रमुख सहित 9 कर्मचारियों के खिलाफ लाखों रुपये की वसूली कर मानव तस्करी का संजाल चलाने के आरोप में जांच हो रही है। एंटी करप्शन ब्यूरो और केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो की जांच में यह बात सामने आया है कि गृहमंत्री के निजी सचिवालय से लेकर इमिग्रेशन की सेंटिंग में हवाईअड्डे से मानव तस्करी के बदले रोज कम से कम 50 लाख रुपये की वसूली की जाती थी। इसके लिए बाकायदा कोड फिक्स किया गया और इमिग्रेशन के कर्मचारियों का नंबर हर हफ्ते बदल दिया जाता था।

सिंगापुर ओपन 2025: सात्विक-चिराग क्वार्टरफाइनल में, सिंधु, प्रणय और ट्रिसा-गायत्री बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सिंगापुर ओपन 2025 (बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट) के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। खेले गए प्री-क्वार्टर मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया के साबर करयामन गुटामा और मुहम्मद रेजा पहलवी इस्फहानी को एक घंटे 14 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 19-21, 21-16, 21-18 से हराया। हालांकि, पुरुष सिंगल्स में भारत के एच.एस. प्रणय को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ सीधे गेमों में हार का सामना करना पड़ा। वह 42 मिनट चले मैच में 16-21, 14-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। महिला सिंगल्स में पी.वी. सिंधु भी अपने प्री-क्वार्टर मुकाबले में चीन की चेन यू फेई से हार गईं। तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में सिंधु 9-21, 21-18, 16-21 से पराजित हुईं। महिला युगल में ट्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी को चीन की जिया यी फैन और झांग शूशियान के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में 8-21, 10-21 से हार मिली। मिक्स्ड डबल्स में भारत की रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी हांगकांग के तांग चुन मैन और त्से यिंग सुट से 10-21, 16-21 से हारकर बाहर हो गई।

सितंबर में भारत दौरे पर आएगी ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम, चेन्नई में खेले जाएंगे तीन वनडे मुकाबले

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम सितंबर में भारत का दौरा करेगी, जहां दोनों टीमें तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेंगी। यह मुकाबले चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 14, 17 और 20 सितंबर को खेले जाएंगे। यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए भारत में होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप की अहम तैयारी मानी जा रही है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उक्त घोषणा की।

ऑस्ट्रेलिया ए और साउथ अफ्रीका ए की पुरुष टीमें भी भारत दौरे पर आएंगी

महिला सीरीज के अलावा ऑस्ट्रेलिया ए की पुरुष टीम भी भारत दौरे पर आएगी, जहां वह दो अनौपचारिक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेगी। दोनों चार दिवसीय टेस्ट मुकाबले लखनऊ में 16-19 और 23-26 सितंबर के बीच खेले जाएंगे। इसके बाद तीन एकदिवसीय मुकाबले 30 सितंबर, 3 अक्टूबर और 5 अक्टूबर को कानपुर में होंगे। दक्षिण अफ्रीका ए की पुरुष टीम का दौरा अक्टूबर-नवंबर में होगा और उनके सभी मुकाबले बेंगलुरु में आयोजित किए जाएंगे। दो अनौपचारिक टेस्ट मैच बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 30 अक्टूबर से 2 नवंबर और 6-9 नवंबर के बीच खेले जाएंगे।

राज्य स्तरीय योग ओलम्पियाड में चमकी मुरादाबाद की छात्रा रोनी और छात्र नैतिक

मुरादाबाद। राज्य स्तरीय योग ओलम्पियाड में मुरादाबाद के राजकीय कन्या इंटर कालेज की छात्रा रोनी और जीजी हिंदू इंटर कॉलेज के छात्र नैतिक ने शानदार प्रदर्शन कर पीतलनगरी मुरादाबाद का मान बढ़ाया है। दोनों खिलाड़ियों का अपने-अपने कालेज पहुंचने पर स्वागत अभिनंदन किया गया। मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर लखनऊ में खेली गई प्रतियोगिता में रोनी ने सभी प्रतिभागियों को चित्त करते हुए पहला स्थान हासिल किया है। वहीं नैतिक ने चौथा स्थान हासिल किया है। दोनों खिलाड़ी तमिलनाडु में होने वाले राष्ट्रीय योग ओलम्पियाड में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। रोनी और नैतिक की इस उपलब्धि पर संयुक्त शिक्षा निदेशक मनोज कुमार द्विवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडेय और मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर ने उनकी सराहना की। साथ ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

वूमेन अंडर-15, 19, 23 व वूमेन सीनियर वर्ग के हुए प्रारम्भिक चयन ट्रायल

मुरादाबाद। पूर्व रणजी खिलाड़ी एव डिस्ट्रिक स्पोर्टर्स एसोसिएशन (डीएसए) के सचिव विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की वूमेन अंडर-15, 19, 23 व सीनियर वर्ग के चयन ट्रायल डीएसए द्वारा स्प्रिंगफ़ील्ड क्रिकेट अकैडमी के खेल के मैदान पर आज हुआ। इसमें मुरादाबाद, अमरोहा एवं संभल जिले की पंजीकृत वूमेन खिलाड़ियों के प्रारम्भिक चयन ट्रायल समस्त खेल सुविधाओं के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। विजय गुप्ता ने आगे बताया कि ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों ने पूरे कौशल के साथ अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया। जिसमें चयनकर्ताओं द्वारा कई प्रतिभावान खिलाड़ियों को भी चिन्हित किया गया। जिसमें कई कम आयु के बालिकाओं ने अपने खेल से सभी को प्रभावित किया। डी एस ए मुरादाबाद द्वारा नामित चयन समिति में मुजफ्फरनगर से आए वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी मयंक गौतम, पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता, वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी प्रदीप टंडन द्वारा खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखा गया व परखा गया और अधिक से अधिक खिलाड़ियों का चयन किया गया। मौहम्मद हसीन, चमन सिंह, मिर्जा दानिश, बाकर जैदी, सोनू कुमार कोच व अन्य अभिभावक मौजूद रहे।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप: धवन के तूफान से उड़ा स्ट्राइकर्स का खेमा, वॉरियर्स की लगातार दूसरी जीत

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग के तीसरे दिन का पहला मुकाबला पूरी तरह से धवन के वॉरियर्स के नाम रहा। दोपहर 3:30 बजे से शुरू हुए इस मुकाबले को इंडियन वॉरियर्स ने 6 विकेट से जीतकर लीग में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरे अमेरिकन स्ट्राइकर्स की शुरुआत कुछ खास नहीं रही और चौथे ओवर तक उन्होंने अपने दोनों ही सलामी बल्लेबाज गौरव तोमर (16) और शोएब खान (4) के विकेट गंवा दिए। हालांकि दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरने के बावजूद अयान खान ने पारी को संभालते हुए 26 गेंदों में 6 चौकों और 2 छक्कों की मदद से महत्वपूर्ण 48 रन बनाए। जिसके बाद टीम को पार लगाने का जिम्मा उठाया कप्तान

प्रदीप सांगवान ने, उन्होंने मलिंडा पुष्पकुमारा (35) के साथ मिलकर 3 छक्कों और 5 चौकों की मदद से नाबाद 54 रनों की पारी खेलते हुए टीम को 8 विकेट के नुकसान पर 180 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया, हालांकि उनकी मेहनत टीम को जीत न दिला सकी। लक्ष्य का पीछा करते उतरे इंडियन वॉरियर्स के सलामी बल्लेबाजों शिखर धवन और प्रियंक पंचाल ने धमाकेदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 110 रन जोड़े। शिखर ने अपनी पारी के दौरान 210 के स्ट्राइक रेट से 7 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 39 गेंदों में 82 रन बनाए, जबकि पंचाल अर्धशतक बनाने से चूक गए और 43 रनों के निजी स्कोर पर पुष्पकुमारा का शिकार बने। उसके बाद केदार देवधर नाबाद (19) और अरुण छपराना (15) ने टीम को जीत की दहलीज पार कराई। छपराना ने गेंदबाजी में भी सहयोगी गेंदबाजों रंजीत माली और सुमित सिंह का साथ निभाते हुए क्रमशः 2-2 विकेट झटके।ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए शिखर को मैन ऑफ मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। इस जीत के साथ इंडियन वॉरियर्स पॉइंट्स टेबल में 4 अंकों के साथ पहले पायदान पर पहुंच गई है।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप: अफ्रीकन लायंस ने जीता अपना पहला मुकाबला

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग में गुरुवार रात अफ्रीकन लायंस ने एशियन किंग्स को 6 विकेट से हराकर आसान जीत दर्ज दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एशियन किंग्स को तीसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज परवेज अजीज (8) के रूप में पहला झटका लगा। हालांकि एक छोर पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज और लायंस के कप्तान तिलकरत्ने दिलशान ने संभाले रखा, पर दूसरी तरफ से लगातार विकेट गिरते रहे। उमंग शर्मा (31) ने उनका साथ निभाने की कोशिश जरूर करी, लेकिन दबाव के चलते छठे ओवर में दिलशान को भी 26 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा। जिसके बाद पूरी टीम धराशाई हो गई, अंत में इम्तियाज ने बहुमूल्य 35 रन बनाकर टीम को 138 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। पूर्व अफ्रीकाई दिग्गज हर्षेल गिब्स की कप्तानी में लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफ्रीकन लायंस के

सलामी बल्लेबाज राहुल यादव ने 54 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए मैच को शुरुआत में ही एकतरफा कर दिया। जिसके बाद शेखर सिरोही (22), शिवम शर्मा (21) और अंत में अली मुर्तजा ने 5 गेंद में 18 रन बनाकर टीम को 16.4 ओवर में 6 विकेट से आसान सी जीत दिला दी। 4 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट लेने के लिए क्रिस मोफू को मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया।

न्यूजीलैंड के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का निधन, 77 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने सोशल मीडिया के जरिए उक्त जानकारी दी। ट्रिस्ट ने न्यूजीलैंड को साल 2000 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (अब चैंपियंस ट्रॉफी) जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। यह न्यूजीलैंड पुरुष टीम का पहला वैश्विक खिताब था।

14 साल तक खेले घरेलू क्रिकेट, फिर बने सफल कोच

डेविड ट्रिस्ट ने अपने करियर में 14 वर्षों तक कैंटरबरी के लिए तेज गेंदबाज के रूप में क्रिकेट खेला। इसके बाद उन्होंने कोचिंग की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने कैंटरबरी के अलावा दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग और नीदरलैंड्स की टीमों के साथ भी काम किया। साल 1999 में उन्होंने स्टीव रिक्सन की जगह न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय टीम के कोच का पद संभाला।

2000 में भारत को हराकर दिलाई खिताबी जीत

डेविड ट्रिस्ट के कार्यकाल में न्यूजीलैंड ने नैरोबी में खेले गए फाइनल में भारत को चार विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

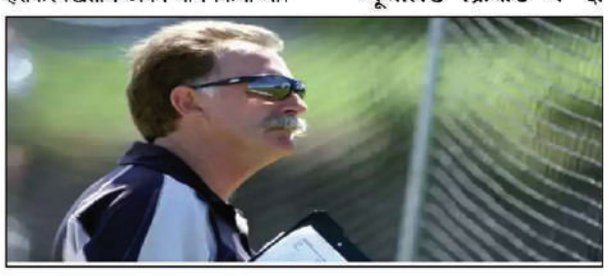

इस मुकाबले में क्रिस केयर्न्स ने नाबाद शतक जड़ा था और टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। ट्रिस्ट का कार्यकाल भले ही केवल दो साल का रहा, लेकिन उन्होंने टीम को पहली बार वैश्विक स्तर पर विजयी बनाया।

कोचिंग के बाद भी जुड़े रहे क्रिकेट से

न्यूजीलैंड टीम से विदा लेने के बाद ट्रिस्ट क्राइस्टचर्च के ओल्ड कोलेजियंस क्रिकेट क्लब के कोचिंग डायरेक्टर बने। इसके अलावा उन्होंने भारत और इंग्लैंड में भी कोचिंग के क्षेत्र में काम किया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने दी श्रद्धांजलि

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करते हुए कहा, न्यूजीलैंड क्रिकेट को यह पुष्टि करते हुए गहरा दुख हो रहा है कि पूर्व ब्लैककैप्स कोच डेविड ट्रिस्ट का क्राइस्टचर्च में निधन हो गया है। वह 77 वर्ष के थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट, डेविड के परिवार और मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप : भारत ने मारी ज़ोरदार छलांग, पदक तालिका में पहुंचा दूसरे स्थान पर

एजेंसी

गुमी (दक्षिण कोरिया)। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत ने तीसरे दिन दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। अविनाश साबले, ज्योति याराजी और महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम की स्वर्णिम जीत ने भारत को यह बड़ी उपलब्धि दिलाई।

तीन गोल्ड से बदली तस्वीर, जापान को छोड़ा पीछे

तीसरे दिन भारत ने तीन गोल्ड मेडल जीतकर पदक तालिका में बड़ा उलटफेर कर दिया। अविनाश साबले ने पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में अपनी श्रेष्ठता साबित की, वहीं ज्योति याराजी ने महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में शानदार फिनिश करते हुए गोल्ड अपने नाम किया। इसके अलावा, महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम ने देश को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाकर सभी को गर्व से भर दिया।

चीन शीर्ष पर, भारत ने बनाई कड़ी चुनौती

अब तक के आंकड़ों के अनुसार चीन 21 पदकों (12 स्वर्ण, 6 रजत, 3 कांस्य) के साथ पदक तालिका में पहले स्थान पर बना हुआ है। भारत 5 स्वर्ण, 6 रजत

और 3 कांस्य पदकों के साथ कुल 14 मेडल जीतकर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। जापान भी चीन जितने ही (21) पदक जीत चुका है, लेकिन उसके पास केवल 4 स्वर्ण हैं, इसी वजह से वह तीसरे स्थान पर है।

कतर और ईरान भी दौड़ में शामिल

चौथे स्थान पर कतर है, जिसने अब तक 2 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। ईरान 2 स्वर्ण पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है, हालांकि उसके खाते में अभी तक कोई रजत या कांस्य पदक नहीं आया।

अब सबकी निगाहें 31 मई पर: एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का समापन 31 मई को होगा और उम्मीद की जा रही है कि भारत अपनी पदकों की संख्या में और इज़ाफा कर सकेगा। मौजूदा प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय एथलीट अब एशिया में शीर्ष स्थान के लिए सशक्त दावेदार बन चुके हैं।

आईपीएल 2025 के फाइनल में पहुंचने पर कप्तान पाटीदार ने कहा-हम अपनी योजनाओं को लेकर स्पष्ट थे

एजेंसी

मुल्लांपुर। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने पंजाब किंग्स को आठ विकेट से हराकर आईपीएल 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। यह चौथा मौका है जब बैंगलोर की टीम फाइनल में पहुंची है। इस जीत के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने प्रशंसकों का आभार जताते हुए कहा कि टीम जहां खेलती है, ऐसा लगता है जैसे अपने होम ग्राउंड पर हों। कृपया ऐसे ही समर्थन करते रहिए।मैच के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा,हम अपनी योजनाओं को लेकर स्पष्ट थे, खासकर गेंदबाजी में। तेज गेंदबाजों ने पिच का अच्छे से इस्तेमाल किया। सुयश ने भी बहुत अच्छी लाइन-लेंथ में गेंदबाजी की। मैं उसके रोल को लेकर हमेशा स्पष्ट

रहता हूं - उसे सिर्फ स्टंप्स पर निशाना लगाना होता है। उसकी गूगली पढ़ना बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होता। मैं उसे ज्यादा निर्देश नहीं देता, ताकि वह कंफ्यूज न हो। पाटीदार ने आगे कहा, फिल सॉल्ट जिस अंदाज़ में शुरुआत देते हैं, वह देखने लायक होता है। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। आरसीबी फैंस का हमेशा शुक्रगुज़ार हूं - हम जहां भी खेलते हैं, ऐसा लगता है जैसे अपने होम ग्राउंड पर खेल रहे हों। कृपया इसी तरह हमारा समर्थन करते रहिए। 56 रन की नाबाद पारी खेलने वाले फिल सॉल्ट ने कहा,बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। गेंद थोड़ी मूव हो रही थी, लेकिन ये इस सीजन की सबसे खराब पिच नहीं थी। मेरे दिमाग में एक ही बात चल रही थी - %अर्शदीप से आउट मत होना%। वह लीग स्टेज में दो बार मुझे अलग-अलग तरीके से आउट कर चुका है, इसलिए बस बॉल पर रिएक्ट करने पर ध्यान था। उन्होंने आगे कहा, मैंने मैच से पहले कोच एंडी फ्लावर से कहा था कि सफर और ब्रेक शायद हमारे लिए फायदे का सौदा बनें।

बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता में हुए रोमांचक मुकाबले

एजेंसी

गुना। संजय गांधी खेल परिसर बास्केटबॉल मैदान पर तीन दिवसीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में 13 वर्ष से कम आयु एवं 13 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में 14 टीम बालिकाओं की शामिल है। जिसमें प्रत्येक टीम में 6 - 6 सदस्य शामिल हैं एवं बालक वर्ग में 9 टीम है । जिनमें 6 - 6 सदस्य शामिल हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। जिनमें खिलाडियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान मौजूद दर्शन भी ताली बजाकर खिलडियों का उत्साहवर्धन करते रहे। खेल और युवा कल्याण विभाग के एनआईएस बास्केटबॉल प्रशिक्षक दुर्गेश सक्सेना ने बताया कि प्रथम दिन 13 वर्ष से कम आयु में फ्रेंड्स क्लब विरुद्ध गेम्स क्लब के मध्य मैच खेला गया। जिसमें फ्रेंड्स क्लब विजयी रही, वहीं इसी वर्ग में टाइगर क्लब विरुद्ध जुपिटर क्लब के मध्य मैच खेला गया । जिसमें टाइगर क्लब ने विजय प्राप्त की । इसके साथ ही बॉस्केटबॉल स्टार्स ने फ्रेंड्स क्लब को हराया। बालिका 13 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में गुना बास्केटबॉल टीम ने एक रोमांचक मैच में थंडर को हराया। इसी क्रम में अगले मैच बास्केटबॉल हापर्स विरुद्ध स्पार्टन के बीच हुआ। इस मैच में दोनों टीमों के खिलाडियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। हालांकि जीत बास्केटबॉल हापर्स को मिली।

प्रज्ञान ओझा बने 'द लेजेनज़ी टी 10' के लीग कमिश्नर

एजेंसी

जयपुर। जयपुर में 25 जून से शुरू हो रही टेनिस बॉल क्रिकेट लीग 'द लेजेनज़ी टी 10' के लिए पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा को कमिश्नर नियुक्त किया गया है। 24 टेस्ट, 18 वनडे और 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके प्रज्ञान लीग के संचालन की देखरेख और इस नए तरह की प्रतियोगिता की सफलता व विकास को सुनिश्चित करेंगे। द लेजेनज़ी टी 10 का विज़न भारत के स्ट्रीट क्रिकेटर्स को मंच प्रदान करना है। 'गली से टीवी तक' के नारे पर केंद्रित यह लीग जुनून को पहचान में बदलने का अवसर देती है। लीग के बारे में बात करते हुए लीग कमिश्नर प्रज्ञान ओझा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, द लेजेनज़ी टी10 का हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूं। यह ऐसा मंच है जो ग्रासरूट क्रिकेट को बड़ी पहचान से जोड़ता है। मैं भी ऐसे जुनूनी खिलाड़ियों के साथ काम करने और कुछ खास बनाने को लेकर बहुत उत्सुक हूंद लेजेनज़ी टी 10 के

चेयरमैन वेंकटेश प्रसाद ने कहा, हमने अपने स्थानीय पार्कों और गलियों में बहुत सारी असाधारण प्रतिभाएं देखी हैं। द लेजेनज़ी टी 10 का मंच ऐसी ही युवा प्रतिभाओं के लिए है, जिनमें अद्भुत कौशल और प्रदर्शन की भूख है। हमारा लक्ष्य एक ऐसा मंच तैयार करना है जो टेनिस बॉल क्रिकेट को हमेशा के लिए बदल कर रख देगा।÷ लीग में चार चांद लगाने के लिए पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इरफान पठान भी इससे जुड़े रहेंगे, जो न ही सिर्फ खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे, बल्कि मैदान पर उनके साथ खेलते भी नजर आएंगे। इच्छुक खिलाड़ी अपना 6 गेंदों का वीडियो और नामांकन शुल्क जमा कर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन कराने वाले हर खिलाड़ी को द लेजेनज़ी टी10 क्रिकेट बैट स्मृति चिन्ह के रूप में दिया जाएगा। इनमें से शीर्ष 5,000 खिलाड़ियों को चयनित करके उन्हें सिल्वर टिकट दिया जाएगा, जिससे वे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु और इंदौर में आयोजित होने वाले ट्रायल्स में भाग ले सकेंगे। इन खिलाड़ियों को एक साल की ऑनलाइन क्रिकेट ट्रेनिंग मॉड्यूल तक विशेष पहुंच भी दी जाएगी। ट्रायल्स से चुने गए सर्वश्रेष्ठ 150 खिलाड़ियों को गोल्डन टिकट मिलेगा, जिनमें से 72 खिलाड़ी ऑक्शन के माध्यम से डायमंड टिकट प्राप्त करेंगे और द लेजेनज़ी टी10 लीग में खेलेंगे। बाकी 78 खिलाड़ी गोल्डन टिकट बनाए रखेंगे और अगले सीज़न में सीधे खेलने का मौका पाएंगे।

पीएसी पश्चिमी जोन हॉकी प्रतियोगिता दूसरे दिन भी जारी रहा

मुरादाबाद। 24वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद में आयोजित हो रही 28वीं अंतर्वाहिनी पीएसी पश्चिमी जोन हॉकी प्रतियोगिता दूसरे दिन भी जारी रही। आज विभिन्न जोन की टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल तथा सेमीफाइनल मैच खेले गए। आयोजन सचिव सेना नायक रमेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि पहले क्वार्टर फाइनल मैच में 43वीं वाहिनी एटा ने 8वीं वाहिनी बरेली को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में 28वीं वाहिनी इटावा और 49वीं वाहिनी गौतमबुद्धनगर के मध्य दूसरा क्वार्टर फाइनल खेला गया जिसमें 28वीं वाहिनी ने 49वीं वाहिनी को पेनाल्टी शूटआउट में 2-0 से हराकर मैच अपने नाम किया। उसके उपरांत तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच मेजबान 24वीं वाहिनी मुरादाबाद और 38वीं वाहिनी अलीगढ़ के मध्य खेला गया।

आईपीएल 2025: पंजाब को हराकर फाइनल में पहुंची आरसीबी

एजेंसी

मुल्लांपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने पंजाब किंग्स को क्वालिफायर 1 मुकाबले में आठ विकेट से हराकर आईपीएल 2025 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। मुल्लांपुर के यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में खेले गए मैच में आरसीबी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और पंजाब किंग्स की टीम को 14.1 ओवर में महज 101 रनों पर ही ऑलआउट कर दिया। आरसीबी की टीम ने इस आसान लक्ष्य को केवल 10 ओवर में ही हासिल कर लिया। उल्लेखनीय है कि पंजाब की टीम के पास हार के बावजूद खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने के लिए एक मौका है। ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहने के कारण पंजाब को एक अतिरिक्त मौका मिलेगा। पंजाब का सामना

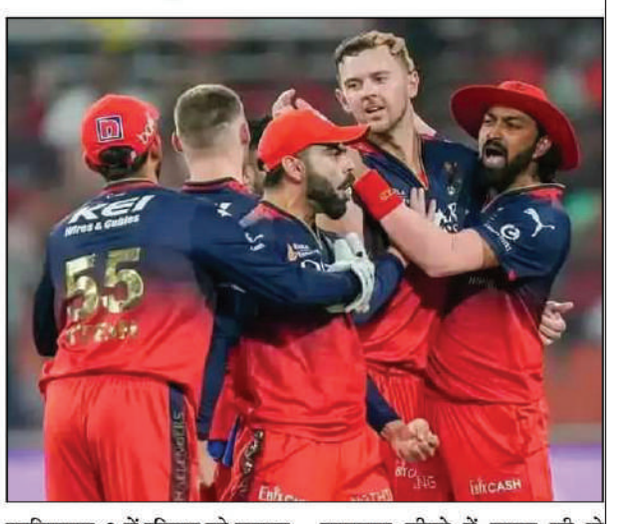

क्वालिफायर-2 में रविवार को गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच होने वाले एलिमिनेटर की विजेता टीम से होगा। अगर पंजाब वो मुकाबला जीतने में सफल रही तो फाइनल में पहुंच जाएगी जहां उसका सामना तीन जून को अहमदाबाद में आरसीबी से होगा।

छठे एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग के लिए देश के शीर्ष सर्फर तैयार

एजेंसी

मंगलुरु। भारत की सर्फिंग दुनिया की नजरें एक बार फिर कर्नाटक के तटीय शहर मंगलुरु पर टिकी हैं, जहां तन्निरभवी इको बीच पर छठा एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग (एनएमपीए आईओएस) शुरू होने जा रहा है। यह प्रतियोगिता 30 मई से 1 जून 2025 तक आयोजित की जाएगी और 2025 नेशनल सर्फिंग चैंपियनशिप सीरीज़ का दूसरा पड़ाव होगी। सर्फिंग स्वामी फाउंडेशन की ओर से आयोजित और मंतर सर्फ क्लब की मेजबानी में इस प्रतियोगिता को सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) का समर्थन प्राप्त है। यह संस्करण न केवल नेशनल चैंपियनशिप सीरीज़ का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, बल्कि देश के सर्वश्रेष्ठ सर्फरों के लिए कीमती रैंकिंग अंक अर्जित करने का भी अवसर है।तीन दिन की प्रतियोगिता में 50 से अधिक शीर्ष सर्फर हिस्सा लेंगे, जो चार श्रेणियों में मुकाबला करेंगे- मेन्स ओपन, विमेन्स ओपन, अंडर-16 (लड़के) और अंडर-16 (लड़कियां)। इस बार की मुख्य झलकियों में से एक है डिफेंडिंग नेशनल चैंपियन रमेश बुडिहाल और किशोर कुमार की वापसी, जो पिछले संस्करण से चूक गए थे, लेकिन इस बार पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेंगे। वे हरीश मुथु, कमली पी, अजीश अली, श्रीकांत डी और संजय सेल्वमणि जैसे शीर्ष सर्फरों के साथ मैदान में उतरेंगे, जिन्होंने 2024 में एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप और मरुहाबा कप जैसे प्रतिष्ठित इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन किया था। इन खिलाड़ियों के योगदान से भारत ने पिछले साल एशिया में 5वां स्थान हासिल किया और एची-नागोया 2026 एशियन गेम्स के लिए दो कोटा भी सुनिश्चित किए। इस वर्ष की प्रतियोगिता को और रोमांचक बनाता है लहरों का पूर्वानुमान, जिसमें 10 से 12 फीट ऊंची लहरों की संभावना जताई गई है। ये विशाल लहरें सर्फरों की तकनीक, सहनशक्ति और रणनीति की कड़ी परीक्षा लेंगी। अरब सागर में चक्रवाती गतिविधि और अस्थिर मौसम के चलते समुद्र की स्थिति अनिश्चित बनी हुई है, जिससे कार्यक्रम की समय-सारणी भी प्रभावित हो सकती है। बढ़ती चुनौती का असर राष्ट्रीय रैंकिंग पर भी पड़ेगा, खासकर जब एशियन सर्फ चैंपियनशिप 2025 निकट है, जो 2026 एशियन गेम्स के लिए क्वालीफायर भी है। इस साल की प्रतियोगिता मूल रूप से ससीहितलू बीच पर आयोजित की जानी थी, लेकिन मौसम और लहरों की अनुकूल स्थिति न होने के कारण इसे टन्नीभावी इको बीच स्थानांतरित कर दिया गया। वर्षों से इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग का पर्याय बन चुका ससीहितलू इस बार मेज़बान नहीं रहेगा, लेकिन नया स्थल समान लहर गुणवत्ता के साथ-साथ खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है।सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष और मंत्रा सर्फ क्लब के निदेशक राममोहन परांजपे ने कहा, हम मंगलुरु के तट पर छठा एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग लेकर आने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 10-12 फीट की लहरों और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की उपस्थिति इस प्रतियोगिता को बेहद रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाएगी। इस आयोजन से पहले, स्थानीय स्तर पर ग्रोम सर्च पहल के अंतर्गत कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य क्षेत्र की अगली पीढ़ी की सर्फिंग प्रतिभाओं को उभारना है।

बोट राइट के दौरान

प्रियंका चोपड़ा

संग रोमांटिक हुए निक, एकटक बीवी को प्यार से निहारते दिखे, तस्वीर हुई...

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा आज हॉलीवुड में भी खास पहचान बना चुकी हैं। प्रियंका ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। प्रियंका ने हॉलीवुड सिंगर निक जोनस से शादी की है। प्रियंका और निक की जोड़ी को फैंस काफी पसंद करते हैं। निक और प्रियंका हमेशा ही कपल गोल्स सेट करने का कोई मौका कभी नहीं छोड़ते हैं। अक्सर ही इन दिनों की रोमांटिक तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर सामने आती रहती हैं, जिन्हें इनके चाहने वाले काफी पसंद करते हैं। ऐसे में अब इन जोड़े की एक और रोमांटिक तस्वीर सोशल मीडिया पर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। इस तस्वीर में निक अपनी वाइफ को प्यार से निहारते नजर आ रहे हैं।

प्रियंका को एकटक निहारते दिखे निक

दरअसल प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने मिस्टर हसबैंड निक जोनस संग रोमांटिक तस्वीर पोस्ट की है। इस तस्वीर में दोनों रोमांटिक बोट राइडिंग का मजा लेते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के बैकग्राउंड में समंदर का गहरा पानी और ऊंची बिल्डिंग्स नजर आ रही हैं। लेकिन इस तस्वीर में अगर फैंस का ध्यान किसी चीज ने सबसे ज्यादा खींचा तो वो था निक का प्रियंका को प्यार से निहारना। बोट पर बैठकर जहां एक्ट्रेस इस खूबसूरत नजारे का आनंद उठा रही हैं। वहीं, निक एकटक प्रियंका को देखते नजर आ रहे हैं। इस दौरान प्रियंका हल्की सी मुस्कान के साथ कैमरे के सामने पोज देते हुए बेहद खूबसूरत लग रही है।

निक-प्रियंका की एक बेटी है

बता दें कि निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा ने साल 2018 में धूमधाम से शादी की थी। दोनों ने क्रिश्चियन वेडिंग के साथ ही हिंदू रीति रिवाज से भी ग्रैंड शादी की थी। शादी के करीब तीन साल बाद, सरोगेसी के जरिए उन्होंने एक बेटी का स्वागत किया, जिसका नाम कपल ने मालती रखा। दोनों अक्सर अपनी बेटी मालती के साथ वक्त बिताते और खूबसूरत पलों की तस्वीरें शेयर करती रहते हैं।

जल्द नजर आएंगी इन फिल्मों में

प्रियंका चोपड़ा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्द ही एसएस राजामौली के साथ काम करते नजर आएंगी। इसमें वो महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ देखेंगी। इसके अलावा प्रियंका जल्द ही इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ हेड्स ऑफ स्टेट और द ब्लफ में नजर आएंगी।

सलमान-कटरीना की 'महा बकवास' फिल्म, 20 करोड़ भी नहीं कमाए, मेकर्स ने उड़ाए थे 45 करोड़

सलमान खान और कटरीना कैफ की जोड़ी बड़े पर्दे की पसंदीदा जोड़ियों में से एक है. दोनों कलाकारों ने साथ में आधा दर्जन फिल्में की हैं और इस जोड़ी को रुपहले पर्दे पर फैंस का काफी प्यार मिला है. दोनों की कई फिल्मों ने टिकट खिड़की पर रिकॉर्ड ब्रेक किए और नए रिकॉर्ड भी बनाए. हालांकि सलमान और कटरीना की एक फिल्म तो बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी. यहां बात हो रही है साल 2008 में आई फिल्म 'युवराज' की. युवराज ने फैंस को इस कदर निराश किया कि ये पिक्चर अपने बजट का आधा भी नहीं कर्मा पाई थी और सलमान-कटरीना के करियर की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक बन गई.

45 करोड़ रुपये था बजट

सलमान खान और कटरीना कैफ की युवराज 17 साल पहले 21 नवंबर 2008 को रिलीज हुई थी. कई फैंस को तो दोनों की इस फिल्म का नाम तक पता नहीं होगा. फिल्म का हिस्सा अनिल कपूर और जायेद खान जैसे स्टार्स भी थे. इसका डायरेक्शन सुभाष घई ने किया था और वो ही इसके प्रोड्यूसर भी थे. सुभाष घई ने इस फिल्म पर 45 करोड़ रुपये खर्च किए थे.

सिर्फ 16 करोड़ हुई थी कमाई

युवराज में फैंस को न ही सलमान और कटरीना की जोड़ी पसंद आई और न ही इसकी कहानी. बॉक्स ऑफिस पर ये पिक्चर बुरी तरह पिट गई थी. टिकट खिड़की पर इसकी शुरुआत बेहद धीमी रही और ये अपनी पकड़ भी नहीं बना पाई. भारत में सिर्फ 2.72 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेने वाली युवराज ने इंडियन बॉस ऑफिस पर टोटल 16.67 करोड़ की कमाई की थी और बजट का आधा अभी नहीं वसूल पाई. वहीं वर्ल्डवाइड ये आंकड़ा 28.82 करोड़ रुपये तक पहुंचा था. ऐसे में सलमान और कटरीना की ये पिक्चर डिजास्टर साबित हुई.

इन फिल्मों में भी सलमान-कटरीना ने शेयर की स्क्रीन

सलमान खान और कटरीना कैफ ने युवराज के अलावा 'मैंने प्यार क्यों किया', 'पार्टनर', 'टाइगर 3', 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है' और 'भारत' जैसी फिल्मों में भी स्क्रीन शेयर की है. वैसे आपको बता दें कि रील लाइफ के अलावा दोनों रियल लाइफ केमिस्ट्री को लेकर भी चर्चा में रहे हैं. दोनों ने एक दूसरे को डेट किया था. हालांकि जल्द ही कटरीना और सलमान अलग हो गए थे.

कैसी एक्ट्रेस है, चुप नहीं रह सकती क्या? पहली मुलाकात में काजोल से चिढ़ गए थे शाहरुख खान

बॉलीवुड में बड़े पर्दे पर शाहरुख खान और काजोल की जोड़ी काफी पसंद की गई है. दोनों कलाकारों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया और दोनों की लगभग सभी फिल्में सफल रही हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि शाहरुख और काजोल की पहली मुलाकात कब और कैसे हुई थी? दोनों की पहली मुलाकात नोक झोक से भरी थी. जहां काजोल, शाहरुख को खड़ूस समझती थीं तो वहीं शाहरुख को काजोल का ज्यादा बोलना पसंद नहीं था. काजोल के ज्यादा बोलने के चलते शाहरुख उनसे चिढ़ गए थे और ये तक कह दिया था कि ये कैसी एक्ट्रेस है? चुप नहीं रह सकती क्या?

'बाजीगर' के दौरान पहली बार मिले

शाहरुख खान और काजोल ने पहली बार साथ में 1993 की फिल्म 'बाजीगर' में काम किया था. इसी फिल्म के सिलसिले में दोनों की पहली मुलाकात हुई थी. दोनों ने अपनी पहली मुलाकात का जिक्र एबीपी न्यूज के साथ बातचीत में किया था. शाहरुख ने बताया था कि 1 जनवरी से बाजीगर की शूटिंग शुरू हुई थी और वो दोनों नए साल की पार्टी के बाद मिले थे. पार्टी के तुरंत बाद सब शूटिंग के लिए पहुंच गए थे.

काजोल से चिढ़ गए थे शाहरुख

बाजीगर के सेट पर काजोल बहुत ज्यादा तेज आवाज में बात कर रही थीं और ये चीज शाहरुख को बिलकुल पसंद नहीं आई. अभिनेता ने इसे लेकर काजोल से शिकायत भी की थी. शाहरुख ने इंटरव्यू में बताया था, मैंने अपने मेकअप आर्टिस्ट से भी बोला था कि वो किस तरह की एक्ट्रेस है, क्या कुछ समय के लिए चुप नहीं रह सकती?'

काजोल को खड़ूस लगते थे शाहरुख

जहां शाहरुख, काजोल के ज्यादा और तेज आवाज में बोलने के चलते परेशान थे तो वहीं काजोल ने शाहरुख खान को खड़ूस समझा था. काजोल के मुताबिक पहली मुलाकात में उन्हें शाहरुख खास पसंद नहीं आए थे. पहली मुलाकात में शाहरुख से काजोल नाखुश थीं.

इन फिल्मों में साथ में किया काम

'बाजीगर' 1993 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई. इसके बाद दोनों को 1995 की फिल्म 'करण अर्जुन' में देखा गया था. ये पिक्चर सुपरहिट निकली. हालांकि दोनों की जोड़ी को सबसे ज्यादा 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में पसंद किया गया. ये पिक्चर ऑल टाइम ब्लॉकस्टर रही. इनके अलावा दोनों ने 'कभी खुशी कभी गम', 'कुछ कुछ होता है', 'माय नेम इज खान' और 'दिलवाले' में भी स्क्रीन शेयर की थी.

अरबाज खान से तलाक से पहले वाली रात क्या हुआ था?

मलाइका अरोड़ा

ने खुद सुनाई थी पूरी कहानी

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा कभी बॉलीवुड के सबसे चर्चित कपल में से एक थे. हालांकि दोनों ने करीब आठ साल पहले अपना रिश्ता खत्म करके फैंस को तगड़ा झटका दे दिया था. दोनों ने साल 2017 में अपनी 19 साल पुरानी शादी तलाक के साथ खत्म कर ली थी. अपने तलाक को लेकर मलाइका और अरबाज दोनों ही कई मौकों पर बात कर चुके हैं. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि तलाक से पहले वाली रात क्या हुआ था? आइए आपको बताते हैं कि इसे लेकर खुद मलाइका ने क्या कुछ कहा था?

तलाक से पहले मलाइका को क्या सलाह मिली?

मलाइका अरोड़ा ने तलाक के बाद करीना कपूर खान के चैट शो 'व्हाट वुमेन वांट' में खुलकर बात की थी. करीना ने मलाइका से पूछा था कि तलाक के दौरान उन्हें परिवार के लोगों और दोस्तों से क्या सलाह मिली थी? इसके जवाब में मलाइका ने कहा था, मुझे लगता है कि सबकी पहली राय यही थी कि मत करना, कोई नहीं कहेगा कि जाओ करो. तो पहली चीज जो थी कि मत करना, सोच समझकर करना.

तलाक के पहले वाली रात क्या हुआ था?

करीना कपूर के सामने मलाइका ने ये भी बताया था कि जिस दिन तलाक की अर्जी पर कोर्ट में सुनवाई होनी थी उससे पहले वाली रात क्या हुआ था. एक्ट्रेस ने कहा था, तलाक से ठीक पहले की रात पूरा परिवार मेरे साथ बैठा और एक बार फिर पूछा, 'क्या तुम श्योर हो. क्या तुम 100 फीसदी अपने फैसले पर टिकी हो? मैं ये लंबे समय से सुनती आ रही थी और मुझे लगता था कि ये वो लोग हैं, जो मेरी चिंता और परवाह करते हैं. इसलिए वो जरूर ये कहेंगे.

1998 में हुई थी शादी

मलाइका और अरबाज की पहली मुलाकात 1993 में एक शूट के दौरान हुई थी. इसके बाद दोनों ने एक दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया था. करीब पांच साल की डेटिंग के बाद दोनों ने साल 1998 में शादी रचा ली थी. वहीं दोनों ने 2002 में बेटे अरहान खान का वेलकम किया था. लेकिन 2017 में तलाक लेकर अपनी राहें अलग कर ली.

अरबाज ने फिर 2023 में शूरा खान से दूसरी शादी कर ली थी. जबकि मलाइका ने दूसरी बार घर नहीं बसाया.

पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 4 की मौत, 20 से अधिक घायल

पंजाब। पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब जिले में कल देर रात एक पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विस्फोट इतना तेज था कि फैक्ट्री की इमारत पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और आसपास के मकानों की खिड़कियां तक टूट गईं। धमाके के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। राहत और बचाव कार्य में जुटी टीमों ने मलबे से कई लोगों को बाहर निकाला।
स्थानीय प्रशासन और दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। पुलिस ने फैक्ट्री मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है कि फैक्ट्री के पास वैध लाइसेंस था या नहीं।

इफको का ऐतिहासिक प्रदर्शन - 2024-25 में रिकॉर्ड लाभ, नैनो उर्वरकों की बिक्री में 47 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि

दिव्य दिल्ली : भारतीय सहकारिता क्षेत्र की अग्रणी संस्था, भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको), ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में एक और कीर्तिमान स्थापित करते हुए 3,811 करोड़ रुपए का कर पूर्व लाभ अर्जित किया है।यह लगातार तीसरा वर्ष है जब इफको ने 3,000 करोड़ रुपए से अधिक का लाभ दर्ज किया है। इस वर्ष नैनो उर्वरकों की बिक्री में 47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें इफको नैनो डीएपी की बिक्री में 118 प्रतिशत अभूतपूर्व वृद्धि हुई।इफको ने इस वर्ष कुल 365.09 लाख बोतल नैनो उर्वरकों की बिक्री की, जो पिछले वर्ष के 248.95 लाख बोतलों की तुलना में बड़ी वृद्धि दशार्ती है। नैनो यूरिया प्लस और नैनो डीएपी के उपयोग से न केवल किसानों को लाभ हुआ है, बल्कि इससे परंपरागत उर्वरकों की खपत में भी उल्लेखनीय कमी आई है।संस्था के अध्यक्ष दिलीप संघानी ने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' का सपना इफको के प्रदर्शन के माध्यम से साकार हो रहा है। इफको ने 23 वर्षों से लगातार 20 प्रतिशत लाभांश देकर अपने सदस्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को साबित किया है।इफको जल्द ही नैनो जिंक, नैनो कॉपर और ग्रेन्युलर नैनो एनपीके जैसे अत्याधुनिक उत्पादों को लॉन्च करेगा, जिससे कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ पोषण संतुलन भी सुनिश्चित होगा। यह पहल कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों जैसे ड्रोन, एआई और नैनो प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से कृषि और खाद्य मूल्य श्रृंखला को पूरी तरह से परिवर्तित कर रही है।इफको ने देशभर में 203 मॉडल नैनो गांव परियोजनाएं शुरू की हैं, जिससे रासायनिक उर्वरकों की खपत में 28.73 प्रतिशत की कमी और फसल उत्पादकता में 5.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इफको अब इस परियोजना को कार्बन क्रेडिट प्रमाणन से जोड़ने की दिशा में भी कार्य कर रहा है।संस्था के प्रबंध निदेशक डॉ. यू.एस. अवस्थी को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर 'रोचडेल पायनियर अवॉर्ड 2024' तथा 'भारत के उर्वरक पुरुष' जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया गया है, जो इफको के योगदान को वैश्विक मान्यता प्रदान करता है।इफको की उपलब्धियां भारत के सहकारी आंदोलन को नई दिशा प्रदान करती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि देश का कृषक वर्ग आत्मनिर्भर और उन्नत भविष्य की ओर अग्रसर हो।

इतिहासकारों द्वारा लिखी किताबों में मुगल शासकों को हीरो और हिन्दू शासकों को विलन बनाकर पेश किया गया

दिव्य दिल्ली : साधुवाद, इस फिल्म के मेकर , निर्देशक और फिल्म की पूरी यूनिट को जिन्होंने एक महीने से भी कम वक्त में इस फिल्म को कंप्लीट करने में दिन रात लगा दिया। अगर मैं बॉलीवुड की बात करूं तो यहां के नंबर वन बैनर और टॉप मेकर चाहे वो करण जौहर हो या आदित्य चोपड़ा या कोई और किसी में ऐसा जज्बा नहीं है कि बॉक्स ऑफि स का टोटली रिस्क लेकर ऐसी फिल्म बनाए जो फिल्म नहीं हिंदी सिनेमा में एक क्रांति हो, आजादी से पूर्व देश को कास्ट सिस्टम और बाबू बनाने के लिए ब्रिटिश सरकार ने इतिहास को ऐसा बदला कि देश के लिए अपना सब कुछ कुर्बान करने वालो को तो आतंकवादी या लुटेरे बता दिया और लुटेरे मुगलों को हीरो बना दिया , मुगल पीरियड को हमारी स्कूल में स्टूडेंट्स को पढ़ाई जा रही किताबों में गोल्डन पीरियड और इन लुटेरे मुगलों को हीरो की तर्ज पर अकबर दी ग्रेट लिखा गया लेकिन मुगलों और अंग्रेजों से लोहा लेने वाले मराठों और साउथ के हिंदू शासकों, सिख गुरुओं तक को इतिहास की किताबों में विलेन बना कर पेश किया गया। मैं हृदय से फिल्म मेकर मनप्रीत सिंह धामी को सैल्यूट करूंगा की उन्होंने अंग्रेजी सरकार द्वारा बनाए गए इस एजुकेशन सिस्टम पर यह फिल्म बनाई जो इस वीक चुनिंदा सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। सच कहा जाए तो यह एक ऐसी फिल्म है जो सिर्फ इतिहास के पाठ्यक्रम को नहीं, बल्कि वामपंथी विचार धारा के इतिहासकारों द्वारा लिखी किताबों में मुगल शासकों को हीरो और हिन्दू शासकों से लेकर मुगलों से लोहा लेने वाले सिख गुरुओं को विलेन बताती है। आज जब देश में बदलाव करने ने अग्रणी मोदी सरकार लंबे अरसे से सत्ता में है तो भी वोट बैंक की राजनीति के चलते आज तक गलत इतिहास पेश करती इन स्कूली किताबों में बदलाव क्यों नहीं किया गया। भारतीय इतिहास पर जबरन थोपे गए औपनिवेशिक और वामपंथी दृष्टिकोणों को सीधी चुनौती पेश करती इस पूरी ईमानदारी के साथ बनाई इस फिल्म को अपने बच्चों के साथ देखने जाए ताकि वो भी देखे कि स्कूल में उन्हें गलत इतिहास पढ़ाया जा रहा है।इस फिल्म को देखते हुए मेरे जेहन में चाणक्य के लिखे यह वाक्य "जो राष्ट्र अपना इतिहास याद नहीं रखता, उसे स्वयं इतिहास बनते देर नहीं लगती " आए और यह सोचने को मजबूर किया कि सरकार की क्या मजबूरी है कि इतिहास की किताबों में बदलाव क्यों नहीं किया जा रहा है स्टोरी प्लॉट नितिन एक फिजिक्स टीचर है , वाइफ हाउस वाइफ और इकलौती बेटी एक नामी महंगे स्कूल में पढ़ती है, कहानी में टर्न उस वक्त आता है जब नितिन यह देखता है कि उनकी बेटी को स्कूल की किताबों में जो इतिहास पढ़ाया जा रहा है वो पूरी तरह गलत है लुटेरे मुगल शासकों को हीरो बताया जा रहा है तब नितिन इस सिस्टम को बदलने की मुहिम शुरू करता है क्या नितिन की यह मुहिम सफल हो पाती है या नहींइस फिल्म देखते हुए आपको पता लगता है कि भारत का इतिहास अत्यंत समृद्धि एवं वैभवशाली रहा है, उतना प्राचीन है जब ग्रीक, रोम, माया या मिस्र जैसी सभ्यताओं का अस्तित्व नही था, भारत में उपनिषद, विज्ञान, गणित, खगोल, औषधि, संगीत और नाट्य के सिद्धांत गढ़ दिए थे। ऐसे में फिल्म में एक सवाल है कि ऐसे में वह कौन सा भारत है जिसकी खोज 1498 मे वास्को डि गामा ने की थी?

'ऑपरेशन सिंदूर' न्याय का अटूट संकल्प है : मुख्यमंत्री योगी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' न्याय का अटूट संकल्प है, यह भारत की भावना और दृढ़ निश्चय को दिखाता है।
कानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने सरकार की उपलब्धियों और कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।
मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' न्याय का अटूट संकल्प है। आपने सुरक्षा से लेकर समृद्धि का मार्ग प्रस्तुत किया है। कानपुर को मेट्रो की सौगात के लिए हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। कानपुर के पनकी, घाटमपुर और पांच थर्मल पावर प्लांट का उद्घाटन होने जा रहा है।
उन्होंने कहा कि कानपुर की ऐतिहासिक धरती पर प्रधानमंत्री मोदी का प्रदेशवासियों की ओर से स्वागत अभिनंदन है। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद प्रधानमंत्री का उत्तर प्रदेश की धरती पर अभिनंदन है।
सीएम ने कहा कि देश के दुश्मनों को पहले एयर स्ट्राइक और अब 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से सबक सिखाया गया। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने जो ताकत दिखाई, यह प्रधानमंत्री के दस वर्षों के विजन का परिणाम है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' न्याय का अटूट संकल्प है, यह भारत की भावना और दृढ़ निश्चय को दिखाता है। आज कानपुर के लिए प्रधानमंत्री द्वारा विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हो रहा है, आज अकेले सिर्फ कानपुर को ही 47,000 करोड़ से ज्यादा की परियोजनाएं मिलने जा रही हैं।
उन्होंने कहा कि जो कार्य 2021 में शुरू हुआ था, उसके सेकेंड फेज का काम होने जा रहा है। आज कानपुर की धरती से पनकी, घाटमपुर, खुर्जा, ओबरा, जवाहरपुर (एटा) में पांच थर्मल पॉवर प्लांट का उद्घाटन होने जा रहा है, यह सभी नए भारत के नए उत्तर प्रदेश को दिखाता है।
सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आज एक लाख 21 हजार से ज्यादा मजरों के विद्युतीकरण, एक करोड़ 78 गरीब परिवारों को मुफ्त बिजली कनेक्शन में सफलता प्राप्त हुई।
इसके साथ ही पीएम सूर्य घर योजना में प्रदेश में 1 लाख 31 हजार घरों में रूफ टॉप सोलर एनर्जी से जोड़ा गया। 11 लाख से अधिक परिवारों के पीएम सूर्य घर योजना के आवेदन आ चुके हैं।

प्लॉट की बाउंड्री के गेट पर फांसी के फंदे से लटका मिला किसान का शव

मुरादाबाद। मुरादाबाद महानगर के थाना मझोला क्षेत्र की रामनगर कॉलोनी में शुक्रवार को एक किसान का शव एक प्लॉट की बाउंड्री के गेट पर फांसी के फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान भूप किशोर सैनी के रूप में हुई है। परिजनों ने इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या करार दिया है और स्थानीय दबंगों पर आरोप लगाए हैं।
परिजनों की तहरीर पर भाजपा महानगर उपाध्यक्ष दिनेश सिसौदिया, भाजपा पार्षद राजेश गुप्ता व भाजपा पार्षद राहुल देव वरूण समेत छह पर हत्या का मुकदमा दर्ज हो गया। मृतक भूप किशोर सैनी के परिजनों ने बताया कि भूप किशोर सैनी आज दोपहर में रोजाना की तरह खेत की ओर गए थे।

जौनपुर में बस पलटने से चार की मौत

जौनपुर । उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित बक्सा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक निजी बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि जनपद जौनपुर थाना बक्सा के अंतर्गत पुलिस को एक सूचना मिली कि एक प्राइवेट बस, जो कि बदलापुर से जौनपुर की तरफ जा रही थी, वह डिवाइडर से टकराकर पलट गई है।
पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत बचाव के कार्य में जुट गई। इस दौरान घायलों को अस्पताल भेजा गया है। उनका इलाज चल रहा है। इस हादसे में चार की मौत और 15 लोग घायल हो गए हैं। बस को किनारे करवाकर यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं, पुलिस ने हादसे वाली बस को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बस बदलापुर से जौनपुर जा रही थी। बस करीब 80 की स्पीड में चल रही थी। तभी अचानक बस बेकाबू होकर दो बार पलटी खाते हुए बीच सड़क पर पलट गई। सवारियां खिड़कियां तोड़कर सड़क पर छिटक गईं। कुछ लोग बस के अंदर फंस गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग भागकर पहुंचे। बस के नीचे दबे और अंदर फंसे लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद निकाला गया। पुलिस भी मौके पर पहुंची और उसने घायलों को अस्पताल भेजवाया।
उधर, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद जौनपुर में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया।

हाथ में स्केच लेकर पीएम मोदी के जनसभा स्थल पर पहुंची शिवन्या, 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए कहा शुक्रिया

कानपुर । उत्तर प्रदेश के कानपुर में शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा से पहले 11 साल की स्कूली छात्रा शिवन्या तिवारी एक स्केच लेकर जनसभा स्थल पर पहुंची। इस स्केच में प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए लिखा हुआ था, वेलकम टू कानपुर।
इस स्केच में मूल रूप से तीन बातों का जिक्र किया गया है। पहला, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानकारी देने वाली सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह का चित्र बनाया गया है। दूसरा, इसमें ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल की कार्रवाई के बारे में जानकारी दी गई थी, जिसे स्केच के जरिए दिखाया गया है कि किस तरह भारतीय सेना ने आतंकवादियों के लॉन्च पैड और ट्रेनिंग सेंटर को निशाना बनाया।
साथ ही, इस स्केच में प्रधानमंत्री मोदी को भी आक्रामक मुद्रा में दिखाया गया है। इस स्केच के जरिए शिवन्या तिवारी ने प्रधानमंत्री मोदी का शुक्रिया अदा किया। शिवन्या ने इस बारे में समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत भी की।
छात्रा ने कहा कि इस पोस्टर के जरिए मैंने प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया, क्योंकि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद वह पहली बार कानपुर आ रहे हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए हमने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। पाकिस्तान एक ऐसा मुल्क है, जिसे किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ा जाना चाहिए।
उन्होंने बताया कि यह स्केच बताता है कि किस तरह से हमने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए दुश्मनों पर जीत हासिल की है। मैं यह संदेश देना चाहूंगी कि भारत कभी भी पाकिस्तान को लेकर नरम नहीं रहे।
वहीं, कानपुर में स्कूली बच्चे मेट्रो स्टेशन पर भी पहुंचे और हाथों में पोस्टर लेकर 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए प्रधानमंत्री मोदी का शुक्रिया अदा किया। बच्चों के पोस्टर पर "थैंक्यू मोदी जी" लिखा हुआ था।
प्रधानमंत्री मोदी कानपुर में 47,573 करोड़ की 15 बड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इस दौरान वह विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। उन्हें सुनने के लिए बहुत बड़ी संख्या में लोग सभास्थल पर पहुंचे हैं।

35 साल बाद पकड़ा गया फरार हत्यारा, साधु बना था दरिंदा, बरसाना के मंदिर में छिपा बैठा था कातिल रणवीर

करौली। राजस्थान पुलिस ने एक बार फिर अपनी दृढ़ता और अथक प्रयासों का परिचय देते हुए एक ऐसे जघन्य अपराध के आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो पिछले 35 सालों से कानून की गिरफ्त से फरार था। करौली जिले की पुलिस थाना सूरौठ ने हत्या के एक मामले में ?10,000 के इनामी वांछित आरोपी रणवीर जाट पुत्र राम खिलाड़ी (67) निवासी ढिंढोरा थाना सूरौठ को उत्तर प्रदेश के बरसाना से धर दबोचा। आरोपी ने पुलिस को चकमा देने के लिए साधु का वेश धारण कर रखा था और विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पहचान बदलकर रह रहा था।
यह उल्लेखनीय गिरफ्तारी करौली पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निदेर्शानुसार सीओ हिण्डौनसिटी गिरधर सिंह के नेतृत्व में गठित एक विशेष टीम द्वारा अंजाम दी गई। इस टीम ने पिछले पांच दिनों तक कड़ी मशक्कत की। उन्होंने बनारस, मथुरा, वृंदावन और बरसाना (यूपी) के विभिन्न मंदिरों में अपनी वेशभूषा बदलकर रेकी की, जिससे आखिरकार आरोपी रणवीर सिंह जाट की पहचान हो पाई और उसे सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया गया।
यह है 35 साल पुराना मामला:
घटना 22 मार्च, 1989 की है। ढिंढोरा निवासी मान सिंह कुम्हार ने पुलिस थाना कोतवाली हिण्डौन में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके पिता रामभरोसी प्रजापत और छोटे भाई विजय सिंह जब सरकारी कुएं पर पशुओं को पानी पिलाने गए थे, तो रणवीर जाट पुत्र रामखिलाड़ी और नानगा जाट ने उन्हें नीच जाति का कहकर रोका और मारपीट की। इस घटना के दस मिनट बाद रणवीर, नानगा, दिगंबर, करन और अन्य कई लोग जान से मारने की नीयत से उनके घर आ गए। रणवीर और नानगा के हाथों में फरसा और गंडासी जैसे धारदार हथियार थे, जबकि अन्य लाठियां लिए हुए थे। उन्होंने पिता रामभरोसी के सिर में गंडासी से वार किया, जिससे वे वहीं गिर पड़े। अन्य आरोपियों ने भी उन पर और परिवार के अन्य सदस्यों पर फरसा और लाठियों से हमला किया। गंभीर रूप से घायल रामभरोसी प्रजापत की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई. इस मामले में पुलिस ने प्रकरण संख्या 181/1989, धारा 147, 148, 307, 302 आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।
जांच के बाद रणवीर और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। हालांकि वे जमानत पर रिहा हो गए और रणवीर जाट साल 1991 से ही फरार चल रहा था।

पानीपत समेत पूरे प्रदेश के सफाई घोटालों की होनी चाहिए सीबीआई जांच- हुड्डा

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि तीसरी बार सत्ता में आने के बाद भाजपा ने फिर से ताबड़तोड़ घोटालों को अंजाम देना शुरू कर दिया है। शराब, खनन, भर्ती, फसल बीमा, सहकारिता, अमृत योजना जैसे अनगिनत घोटालों के बाद, अब पानीपत नगर निगम का सफाई घोटाला उजागर हुआ है। आरटीआई के तहत मिली जानकारी के मुताबिक सफाई कार्य का ठेके देने में करोड़ों की धांधली हुई है।
आरटीआई के तहत खुलासा हुआ है नगर निगम पानीपत ने 13 मई 2022 को गलियों व सड़कों की सफाई के लिए चारों जोन का ठेका 84.08 करोड़ रुपये सालाना में दिया गया था। इस ठेके की अवधि 2 साल की थी। इसलिए यह ठेका 13 मई 2024 को समाप्त होना तय था। जिसके बाद नगर निगम को दोबारा से सफाई ठेका के नए टेंडर आमंत्रित करने थे। लेकिन नये टेंडर आमंत्रित ना करके मिलीभगत से शहरी स्थानीय निकाय ने ठेके की अवधि 30 जून तक बढ़ा दी। इसके बाद सरकार की कैबिनेट सब कमेटी की 25 जून को हुई मीटिंग में ठेकेदार कम्पनियों को अवैध लाभ देते हुए ठेके की अवधि 31 जुलाई तक बढ़ा दी गई। इसके बाद अवधि को 31 दिसंबर 2024 तक भी बढ़ा दिया गया।
इसके बाद जनवरी 2025 में कैबिनेट सब कमेटी ने बिना नए टेंडर आमंत्रित करवाए इन दोनों निजी कम्पनियों के ठेके के रेट में गुप-चुप तरीके 84 परसेंट की भारी बढ़ोतरी कर डाली। इसके चलते 84.08 करोड़ के बजाए अब कंपनियों को 154.83 करोड़ रुपये सालाना देना तय हो गया। साथ ही ठेके की अवधि भी एक साल बढ़ाकर 31 दिसंबर 2025 तक कर दी गई।
ठेका अवधि खत्म होने के बावजूद ठेकेदारों पर बार-बार इतनी मेहरबानी और करोड़ों की अतिरिक्त मंजूरी, स्पष्ट तौर पर घोटाले को उजागर कर रही है। यह भी स्पष्ट है कि करोड़ों की इस लूट में सरकार खुद संलिप्त है। इसीलिए इन दोनों ठेकेदार कम्पनियों के खिलाफ 15.84 करोड़ रुपये के एक अन्य फजीर्वाड़े में सीएम फ़्लाइंग स्क्वैड द्वारा मुकददमा दर्ज करने के बावजूद, कोई गिरफ्तारी नहीं की जा रही है। आरोप है कि इन कम्पनियों ने कुल 1259 कर्मचारी लगाने थे, लेकिन अधिकारियों की मिलीभगत से सिर्फ 847 कर्मचारी ही लगाए और सरकार को 66 लाख रुपये प्रति माह का चूना लगाया। इतने गंभीर आरोपों के बावजूद इस केस में अभी तक ना कोई गिरफ्तारी हुई, ना किसी अधिकारी को सस्पेंड किया गया और ना ही आरोपी कम्पनियों के ठेके रद्द किए गए।
हुड्डा ने कहा है कि इससे पहले कैथल, रोहतक, गुरूग्राम और फरीदाबाद समेत पूरे प्रदेश में ऐसे घोटाले उजागर हो चुके हैं। लेकिन सरकार कोई कार्रवाई करने की बजाय, घोटालेबाजों को संरक्षण देने में लगी है. इससे स्पष्ट है कि सरकार खुद इन गड़बड़झालों में संलिप्त है। इसलिए इन तमाम मामलों की जांच सीबीआई द्वारा करवाई जानी चाहिए। ताकि जनता की गाढ़ी कमाई में हो रही इस लूट पर रोक

कश्मीर मसले पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता अस्वीकार्य, कांग्रेस ने सर्जिकल स्ट्राइक का कभी नहीं लिया श्रेय: अजय माकन

शिमला। सांसद अजय माकन ने आज पीटरहॉफ में आयोजित 'जय हिंद सभा' कार्यक्रम में कश्मीर मुद्दे पर भारत के रुख को दोहराते हुए कहा कि तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सरकारों ने कभी सर्जिकल स्ट्राइक का श्रेय नहीं लिया, लेकिन वर्तमान सरकार इसे राजनीतिक रंग दे रही है। माकन ने वीर भूमि हिमाचल प्रदेश में आने की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि यहां के सैनिकों ने हमेशा देश को गौरवान्वित किया है।
माकन ने कहा कि आजादी के बाद से भारत ने युद्ध के मैदान में हमेशा पाकिस्तान को धूल चटाई है। उन्होंने बताया कि देश ने पहली बार सर्जिकल स्ट्राइक नहीं की; इससे पूर्व 2008, 2011, 2013 और 2014 में भी ऐसी कार्रवाईयां की गईं और पाकिस्तान को सबक सिखाया गया। उन्होंने जोर दिया कि इन सभी वीरतापूर्ण कृत्यों का श्रेय हमेशा देश की सेना को मिलना चाहिए, और कांग्रेस ने कभी इसका राजनीतिकरण नहीं किया, न ही अपनी पीठ थपथपाई।
पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए माकन ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों की बैठक में कांग्रेस ने सरकार को पूर्ण समर्थन दिया और निर्दोष लोगों की हत्या करने वालों को न छोड़ने की बात कही। उन्होंने प्रश्न उठाया कि दुनिया के सभी देशों ने पहलगाम हमले की निंदा की, लेकिन किसी ने पाकिस्तान की निंदा क्यों नहीं की। उन्होंने इसे विदेश नीति की असफलता बताया, विशेष रूप से 1971 के विपरीत जब अमेरिका के अलावा कोई देश पाकिस्तान के साथ नहीं खड़ा था।

भारत का रक्षा उत्पादन 2047 में छह गुना बढ़कर 8.8 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और केपीएमजी इंडिया की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, देश का रक्षा उत्पादन 2024-25 में 1.46 लाख करोड़ रुपए से छह गुना बढ़कर 2047 में 8.8 लाख करोड़ रुपए होने की उम्मीद है।
भारत का वार्षिक रक्षा बजट 2047 में लगभग पांच गुना बढ़कर 31.7 लाख करोड़ रुपए हो सकता है, जबकि वर्तमान में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 6.81 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सीआईआई के 'एनुअल बिजनेस समिट 2025' में जारी की गई रिपोर्ट का अनुमान है कि भारत का रक्षा निर्यात 2047 में बढ़कर 2.8 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा, जो 2024-25 के 24,000 करोड़ रुपए के इसी आंकड़े की तुलना में लगभग 12 गुना उछाल दशार्ता है।
इस रिपोर्ट का शीर्षक 'आत्मनिर्भर, अग्रणी और अतुल्य भारत 2027 : इंडियाज डिफेंस इंडस्ट्रियल सेक्टर विजन 2047' है।
रिपोर्ट में देश के कुल रक्षा व्यय को 2047 के लिए सकल घरेलू उत्पाद के 4.5 प्रतिशत पर आंका गया है, जो वर्तमान में सकल घरेलू उत्पाद का 2 प्रतिशत है।
रक्षा बजट में रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए आवंटन भी वर्तमान के 4 प्रतिशत से बढ़कर 8-10 प्रतिशत होने की उम्मीद है।
रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत रक्षा क्षेत्र के साथ 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य को हासिल करने में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, मजबूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देना आवश्यक है और निजी क्षेत्र को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में प्रवेश करने और बनाए रखने के लिए प्रोत्साहन की आवश्यकता है।
रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 2038 तक भारत को अंतरराष्ट्रीय

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397